● सीधी, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 135, पृष्ठ : 08, सीधी, रविवार, 23 जून 2024 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

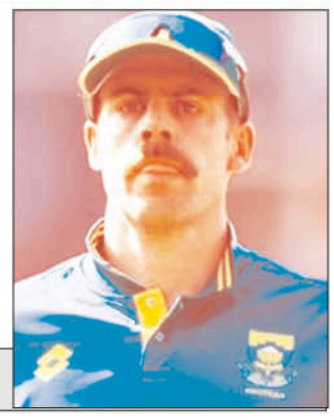

हर महीने सरकारी नौकरी देगी सरकार : भजनलाल 5

अफ्रीकी गेंदबाज ने किया बड़ा कमाल 6

भारत और बांग्लादेश के बीच हुए कई समझौते

अंतरिक्ष के साथ-साथ जमीन पर कनेक्टिविटी बढ़ाएंगे दोनों देश

नई दिल्ली। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना दो दिवसीय भारत दौरे पर हैं। वहीं बांग्लादेशी प्रधानमंत्री के दौरे की जानकारी देते हुए विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि आज सुबह प्रधानमंत्री शेख हसीना का राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में औपचारिक स्वागत किया गया, जिसके बाद उनकी तरफ से महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए राजघाट का दौरा किया गया। फिर प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री शेख हसीना ने हैदराबाद हाउस में विस्तृत चर्चा पूरी की।

विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने बताया कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री की मौजूदा भारत यात्रा दोनों देशों के बीच निरंतर उच्च स्तरीय राजनीतिक जुड़ाव का अहम

हिस्सा है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री इस महीने की शुरुआत में 18वीं लोकसभा के चुनाव के बाद 9 जून को केंद्रीय मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने वाले अंतरराष्ट्रीय नेताओं में से एक थीं। प्रधानमंत्री शेख हसीना की भारत की पिछली राजकीय यात्रा सितंबर 2022 में हुई थी, जिसके बाद वे जी-20 में हिस्सा लेने के लिए एक अतिथि के रूप में भारत आई थीं।

वहीं प्रधानमंत्री मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की द्विपक्षीय वार्ता के दौरान कई द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की गई। इसमें स्थानीय और वैश्विक मुद्दों पर भी अहम चर्चा हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने हमारे द्विपक्षीय और उप-क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने के लिए एक नई दिशा और गति देने और सार प्रदान करने पर सहमति व्यक्त की। दोनों नेताओं ने आतंकवाद, कट्टरपंथ और हमारी लंबी भूमि सीमा के शांतिपूर्ण प्रबंधन पर जुड़ाव को तेज करने पर भी सहमति व्यक्त की। विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि भारत बांग्लादेश के अंदर तीस्ता नदी के संरक्षण और प्रबंधन का काम भी करेगा, जिसके लिए भारत की ओर से उचित सहायता दी जाएगी। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने कहा, कि दोनों पक्षों ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी पर सहमति पत्र का आदान-प्रदान किया, जिसका उद्देश्य भारत के प्रक्षेपण यान पर बांग्लादेश के लिए संयुक्त रूप से विकसित छोटे उपग्रह के प्रक्षेपण के लिए सहयोग स्थापित करना है। दोनों नेताओं के बीच रक्षा सहयोग पर चर्चा हुई। उन्होंने आगे बताया कि कनेक्टिविटी भारत-बांग्लादेश साझेदारी के केंद्रीय स्तंभों में से एक है। हम राजशाही और कोलकाता के बीच एक नई यात्री ट्रेन सेवा शुरू कर रहे हैं। वहीं हम एक और बस सेवा भी शुरू करेंगे जो कोलकाता और चटगांव के बीच होगी। वहीं इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि हम जल्द ही बांग्लादेश से भारत के लिए मेडिकल वीजा को ई-मेडिकल वीजा श्रेणी में डाल देंगे, जो बहुत बड़ी सुविधा प्रदान करेगा और उन लोगों के लिए भी एक बड़ी सुविधा होगी जो इस ई-मेडिकल वीजा योजना का लाभ उठाएंगे।

इंदौर-उज्जैन के मध्य शुरू होगा मेट्रो ट्रेन संचालन : डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के बड़े नगरों के लिए नए ट्रैफिक प्लान की जरूरत को देखते हुए राज्य सरकार महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण इंदौर-उज्जैन के मध्य मेट्रो ट्रेन के संचालन का निर्णय शामिल है, जो सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं के लिए आवाजाही की सुविधा की दृष्टि से भी उपयोगी होगा। इंदौर-उज्जैन के मध्य मेट्रो चलाने से संबंधित फिजिबिलिटी सर्वे की रिपोर्ट प्राप्त हुई है। आने वाले समय में इंदौर एयरपोर्ट से महाकाल मंदिर तक वंदे मेट्रो की सुविधा प्रदेशवासियों और देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं के लिए एक अहम सौगात होगी। विभिन्न नगर परस्पर बेहतर ढंग से जुड़ सकेंगे। समीक्षा में जानकारी दी गई कि भोपाल में एम्स से करोंद चौराहे तक कुल 16.74 किलोमीटर की लंबाई में मेट्रो की लाइन तैयार करने का कार्य तीन चरणों में पूरा होगा। प्रथम चरण सात किलोमीटर का है, जिसमें 8 स्टेशन (एलिवेटेड) शामिल हैं। इंदौर मेट्रो की प्रगति पर भी बताया गया कि कुल 31.32 किलोमीटर में कार्य हो रहा है। इंदौर में कुल 28 स्टेशन बनेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास कार्यालय स्थित समत्व भवन में हुई बैठक में भोपाल और इंदौर के मेट्रो प्रोजेक्ट की प्रगति की समीक्षा के बाद कहा कि सुगम यातायात के लिए प्रदेश के बड़े नगरों जैसे भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन में मेट्रो के साथ वंदे मेट्रो, रोप-वे, इलेक्ट्रिक-बस और केबल-कार जैसे साधनों का उपयोग किया जाएगा। आगामी आवश्यकताओं की दृष्टि से स्थानीय जनप्रतिनिधियों को विश्वास में लेकर आवश्यक प्रबंध किए जाएंगे।

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण के विरोध में उतरे ओबीसी

इंदौर। महाराष्ट्र में आरक्षण का मुद्दे शिंदे सरकार के लिए मुसीबत बनता जा रहा है। मराठा आरक्षण के विरोध में अब ओबीसी समाज सड़कों पर उतर आया है। केज-लातूर और अहमदनगर-अहमदपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया।

महाराष्ट्र में हो रही आरक्षण की राजनीति में एआईएमआईएम के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी की भी एंट्री हो गई है। उन्होंने मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि चुनाव के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओबीसी, एससी, एसटी समाज के आरक्षण को मुसलमानों से खतरा बता रहे थे। असदुद्दीन ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्वीट कर कहा कि चुनाव के दौरान मोदी कहते थे कि ओबीसी, एससी, एसटी समाज के आरक्षण को मुसलमानों से खतरा है। ओबीसी और मराठा समाज के बीच आरक्षण को लेकर आज तनाव बन चुका है, क्योंकि आरक्षण की सीमा 50 फीसदी तक सीमित कर दी गई है।

चुनाव के दौरान मोदी कहते थे कि ओबीसी, एससी, एसटी समाज के आरक्षण को मुसलमानों से ख़तरा है। ओबीसी और मराठा समाज के बीच, आरक्षण को लेकर आज तनाव बन चुका है क्योंकि आरक्षण की सीमा 50त्न तक सीमित कर दी गई है। उन्होंने कहा कि भारत के अल्पसंख्यक, पिछड़ों, अतिपिछड़ों को सूखी रोटी के लिए लड़ाया जा रहा है और मलाई कोई और खा रहा है। आने वाले सेशन में 400-पार सरकार को संशोधन ला कर 50 फीसदी सीमा को खत्म करना चाहिए।

पटना हाईकोर्ट ने बिहार सरकार के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें आरक्षण की सीमा को बढ़ाकर 65 फीसदी कर दिया गया था।

खत्म हड़ताल, रविवार से चलेंगी छह रूटों पर चलने वाली 149 बसें

भोपाल। पिछले नौ दिन से 400 चालक-परिचालकों की चल रही हड़ताल आखिरकार शनिवार को समाप्त हो गई। लिहाजा रविवार सुबह छह बजे से छह रूटों पर चलने वाली 149 बसें चलने लगेंगी। ज्ञात हो कि चालक और परिचालकों ने बस आपरेटर मां एसोसिएट द्वारा पीएफ और ईएसआइसी की राशि जमा नहीं करने पर 14 जून से हड़ताल शुरू की थी। इसके चलते हजारों यात्रियों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

पेपर लीक हुआ तो 10 साल जेल, रु 1 करोड़ तक जुर्माना

दिल्ली। देश में एंटी-पेपर लीक कानून यानी पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 लागू हो गया है। केंद्र ने शुक्रवार (21 जून) की आधी रात इसका नोटिफिकेशन जारी किया। यह कानून भर्ती परीक्षाओं में नकल और अन्य गड़बड़ियां रोकने के लिए लाया गया है।

इस कानून के तहत, पेपर लीक करने या आंसर शीट के साथ छेड़छाड़ करने पर कम से कम 3 साल जेल की सजा होगी। इसे 10 लाख तक के जुर्माने के साथ 5 साल तक बढ़ाया जा सकता है।

परीक्षा संचालन के लिए नियुक्त सर्विस प्रोवाइडर अगर दोषी होता है तो उसे 5 से 10 साल तक की जेल की सजा और 1 करोड़ रुपए तक जुर्माना होगा। सर्विस प्रोवाइडर अवैध गतिविधियों में शामिल है, तो उससे परीक्षा की लागत वसूली जाएगी।

नीट और यूजीसी-नेट जैसी परीक्षाओं में गड़बड़ियों के बीच यह कानून लाने का फैसला बड़ा कदम माना जा रहा है। इससे पहले, केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों के पास परीक्षाओं में गड़बड़ी से जुड़े अपराधों से निपटने के लिए अलग से कोई ठोस कानून नहीं था।

पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, इसी साल 6 फरवरी को लोकसभा और 9 फरवरी को राज्यसभा से पारित हुआ था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 12 फरवरी को बिल को मंजूरी देकर इसे कानून में बदल दिया। इस कानून में संघ लोक सेवा आयोग , कर्मचारी चयन आयोग, रेलवे भर्ती बोर्ड, बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की परीक्षाएं शामिल होंगी। केंद्र के सभी मंत्रालयों, विभागों की भर्ती परीक्षाएं भी इस कानून के दायरे में होंगी।

ताइवान की आजादी मांगी तो मौत की सजा देगा चीन

बीजिंग। चीन ने शुक्रवार को ताइवान की आजादी की मांग करने वाले लोगों को 'मौत की सजा' की धमकी दी है। हालांकि चीन की इस धमकी को बेअसर माना जा रहा है क्योंकि ताइवान की आजादी की मांग चीन में नहीं होती है। ये मांगे ताइवान में होती हैं जहां चीनी अदालत के नियम नहीं चलते। रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने शुक्रवार को ये नई गाइडलाइन जारी की। इसमें कहा गया है कि ताइवान की आजादी की मांग करने वाले नेताओं के कदम से यदि देश या जनता को किसी भी प्रकार का नुकसान होता है तो मौत की सजा दी जा सकती है।

आंध्र के पूर्व सीएम के पार्टी ऑफिस पर चला बुलडोजर

अमरावती। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की पार्टी का निर्माणाधीन ऑफिस राज्य सरकार ने बुलडोजर से गिरा दिया है। शनिवार सुबह 5:30 बजे यह कार्रवाई आंध्र प्रदेश राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण ने की। गुंटूर के तड़ेपल्ली में यह आफिस 9,365 वर्ग फीट में बनाया जा रहा था। इस कार्रवाई की टाइमिंग की खूब चर्चा हो रही है। दरअसल, सितंबर 2023 में जब वाईएसआरसीपी की सरकार थी और जगनमोहन रेड्डी सीएम थे, तब टीडीपी चीफ चंद्रबाबू नायडू को सुबह 6 बजे उनके घर से गिरफ्तार किया गया था। सीआईडी ने भ्रष्टाचार के आरोप में चंद्रबाबू को अरेस्ट किया था।

इससे पहले, हैदराबाद महानगर निगम ने रेड्डी के लोटस पॉन्ड आवास से लगे फुटपाथ पर अवैध निर्माण को तोड़ दिया। इसका उपयोग सुरक्षाकर्मी कर रहे थे। इसके अलावा वाई एस आरसीपी को विशाखापत्तनम ऑफिस के अवैध निर्माण को लेकर एक और नोटिस मिला है। रेड्डी के आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के महज 10 दिन बाद यह कार्रवाई की गई।

भर्तृहरि को प्रोटेम स्पीकर बनाने पर कांग्रेस का विरोध

चेयरपर्सन पैनल से नाम वापस ले सकते हैं तीन सांसद, रिजिजू बोले- झूठ की सीमा होती है

नई दिल्ली। 18वीं लोकसभा के पहले सत्र से पहले प्रोटेम स्पीकर के मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार और विपक्ष आमने-सामने हैं। सरकार ने 20 जून को कटक से भाजपा सांसद भर्तृहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया था। इसे लेकर कांग्रेस ने आपत्ति दर्ज की थी कि कांग्रेस के आठ बार के सांसद कोडिकुन्निल सुरेश की जगह सात बार के सांसद भर्तृहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त करना लोकसभा के नियमों का उल्लंघन है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस के इन बयानों को

लेकर कहा कि झूठ की सीमा होती है। हमने नियमों के तहत ही भतृर्हरि महताब को प्रोटेम स्पीकर बनाया है। महताब लोकसभा के सबसे वरिष्ठ सांसद हैं क्योंकि वे लगातार सात बार लोकसभा में चुने गए हैं, जबकि सुरेश कोडिकुन्निल भले ही आठ बार सांसद रहे हों, लेकिन वे लगातार नहीं चुने गए। वे 1998 और 2004 में लोकसभा सदस्य नहीं थे।

इधर विपक्ष धमकी दे रहा है कि संसद में चेयरपर्सन के पैनल को जॉइन नहीं करेगा। दरअसल शनिवार को विपक्ष के सूत्रों ने बताया कि लोकसभा सांसदों को शपथ दिलाने के लिए भतृर्हरि महताब के साथ चेयरपर्सन पैनल में पांच सांसद नियुक्त किए गए हैं। इनमें से तीन सांसद विपक्षी सांसद- सुरेश कोडिकुन्निल, थलिक्कोट्टई राजुथेवर बालू, सुदीप बंदोपाध्याय इस पैनल में शामिल होने से मना कर सकते हैं। इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। तब तक लोकसभा चलाने की जिम्मेदारी भर्तृहरि की होगी।

प्रोटेम लैटिन शब्द प्रो टैम्पोर से आया है। इसका मतलब होता है- कुछ समय के लिए। प्रोटेम स्पीकर अस्थायी स्पीकर होता है। लोकसभा या विधानसभा चुनाव होने के बाद सदन को चलाने के लिए सत्ता पक्ष प्रोटेम स्पीकर को चुनता है।

प्रोटेम स्पीकर का मुख्य काम नव निर्वाचित सांसदों/विधानसभा को शपथ ग्रहण कराना है।

कश्मीर के उरी में सुरक्षाबलों ने 2 आतंकी मार गिराए

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में शनिवार को सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकियों को मार गिराया। घटना गोहलन इलाके में हुई। अधिकारियों के मुताबिक गोहलन में अब भी रुक-रुककर सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच फायरिंग हो रही है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने आतंकियों के एक समूह को उरी के गोहलन इलाके में घुसपैठ करते हुए देखा। सुरक्षाबलों ने उन्हें रुकने को कहा और उनकी घुसपैठ को नाकाम किया। इससे पहले 19 जून को जम्मू-कश्मीर के बारामूला के हादीपोरा में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच एनकाउंटर हुआ था, जिसमें दो आतंकी मारे गए, जबकि स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप का एक जवान और एक पुलिसकर्मी घायल हुए। 19 जून को ही जम्मू-कश्मीर पुलिस ने रियासी से 45 साल के ओवर ग्राउंड वर्कर हकीम-उद-दीन को गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि आरोपी आतंकियों का बड़ा मददगार है, जिसने रियासी में श्रद्धालुओं से भरी बस पर हमला करने में आतंकियों की मदद की थी।

दमोह जा रही राज्यरानी एक्सप्रेस का इंजन हुआ फेल, परेशान हुए यात्री

बीना। भोपाल से दमोह जा रही राज्यरानी एक्सप्रेस का इंजन बीना आउटर पर देर रात खराब हो गया। ट्रेन बीना और मालखेड़ी स्टेशन की बीच जाकर खड़ी हो गई। अंधेरे में ट्रेन के यात्री ट्रेन से उतर आए और पटरियों पर बैठ गए। इसके बाद सूचना पर बीना से इंजन ट्रेन के पीछे लगाकर ट्रेन को मालखेड़ी तक ले जाया गया।

मालखेड़ी स्टेशन पर इंजन को बदलकर ट्रेन रवाना की गई। इस पूरी प्रक्रिया में ट्रेन 3 घंटे से अधिक लेट हो गई। जानकारी अनुसार भोपाल से चलकर दमोह जाने वाली गाड़ी संख्या 22161 राज्यरानी एक्सप्रेस अपने तय समय से लगभग 40 मिनट की देरी से बीना पहुंची। रात्रि 8 बजकर 50 मिनट पर ट्रेन को बीना स्टेशन से सागर की ओर रवाना किया गया।

एमपीपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा रविवार को

14 हजार अभ्यर्थी होंगे शामिल

भोपाल

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) द्वारा 110 पदों के लिए राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2024 की परीक्षा रविवार को आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा दो पाली में आयोजित की जाएगी। पहला पेपर सामान्य अध्ययन का रविवार को सुबह 10 से 12 बजे के बीच होगा। वहीं दूसरी पाली में सामान्य अभिरूचि परीक्षण का पेपर दोपहर 2.15 बजे से 4.15 बजे तक होगा। राजधानी में 42 केंद्रों पर यह परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसमें करीब 14 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे।

राजधानी में शिवाजी नगर स्थित सरोजनी नायडू कन्या विद्यालय, सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय, राजा भोज स्कूल, बाबू लाल गौर पीजी कालेज, नूतन कालेज, एमएलबी, शासकीय नवीन कन्या उमावि चूनाभट्टी, एमवीएम, हमीदिया आट्स एंड कामर्स कालेज सहित अन्य निजी स्कूल और कालेजों में भी केंद्र बनाए गए हैं।

नीट और नेट परीक्षा को लेकर चल रहे विवाद के बीच हो रही इस परीक्षा को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा के खास इंतजाम किए हैं। इसके मद्देनजर नकल पर लगाम कसने के लिए न केवल आब्जर्वर नियुक्त किए गए हैं, बल्कि कंट्रोल रूम बनाकर आनलाइन मानिटरिंग भी की जाएगी।

रेलवे प्लेटफॉर्म टिकट अब जीएसटी के दायरे से बाहर

वित्त मंत्री का परिषद की बैठक के बाद एलान

नई दिल्ली। जीएसटी परिषद् ने रेलवे की ओर से आम लोगों को दी जाने सेवाओं पर बड़ा फैसला लिया है। रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म टिकट लेने के अलावे डॉरमेट्री, वेटिंग रूम, क्लॉक रूम और बैट्री ऑपरेटेड वाहनों के इस्तेमाल जैसी सुविधाओं को जीएसटी से बाहर कर दिया गया है। अब ऐसी सुविधाओं पर कोई जीएसटी नहीं लगेगा। छात्रावास की सुविधा उपलब्ध कराने पर भी अब जीएसटी नहीं देना होगा। किसी खास समाज की ओर से चलाए जा रहे हॉस्टल पर भी जीएसटी देय नहीं होगा अगर कोई व्यक्ति वहां 90 दिन लगातार रहते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को यह जानकारी दी। सरकारी मुकदमेबाजी को कम करने के लिए जीएसटी परिषद ने विभाग की ओर से अपील दायर करने के लिए जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण के लिए 20 लाख रुपये, उच्च न्यायालय के लिए 1 करोड़ रुपये और सुप्रीम कोर्ट के लिए 2 करोड़ रुपये की मौद्रिक सीमा की सिफारिश की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को जीएसटी परिषद् की बैठक के बाद ये बातें कही।

53 वीं जीएसटी परिषद की बैठक के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, परिषद ने सभी दूध के डिब्बे पर 12% की एक समान जीएसटी दर निर्धारित करने की सिफारिश की है। इसका मतलब है कि स्टील, लोहा, एल्यूमीनियम के बने जो भी केन दूध के डिब्बे के तौर पर प्रयोग होंगे उन पर नई दरें लागू होंगी। परिषद ने सभी कार्टन बॉक्स, कॉरिगेटेड और ननकॉरिगेटेड कागज या पेपर बोर्ड सभी पर 12% की एक समान जीएसटी दर निर्धारित करने की भी सिफारिश की है। इस फैसले से विशेष रूप से हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के सेब किसानों को फायदा होगा। वित्त मंत्री के अनुसार परिषद ने यह भी स्पष्ट किया और सिफारिश की है कि फायर वाटर स्प्रिंकलर सहित सभी प्रकार के स्प्रिंकलर पर 12% जीएसटी लगेगा।

परिषद ने यह भी सिफारिश की है कि अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर करने के लिए पूर्व-जमा की अधिकतम राशि 25 करोड़ रुपये सीजीएसटी और 25 करोड़ एसजीएसटी से घटाकर 20 करोड़ रुपये सीजीएसटी और 20 एसजीएसटी कर दी की। यह अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर करने के लिए पूर्व-जमा की अधिकतम राशि है। परिषद ने सीजीएसटी अधिनियम के प्रावधानों में संशोधन करने का भी निर्णय किया है और सिफारिश की है कि जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण में अपील दायर करने के लिए तीन महीने की अवधि उस दिन से शुरू होगी जिसे सरकार द्वारा अधिसूचित किया जाएगा। वित्त मंत्री ने बताया कि ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष ने पदभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने बताया करदाताओं द्वारा अपील की गई टैक्स फाइलिंग दाखिल करने की अवधि 5 अगस्त 2024 को समाप्त हो जाएगी। वित्त मंत्री ने बताया कि इस बार जीएसटी परिषद की बैठक में ऑनलाइन गेमिंग पर कोई चर्चा नहीं की गई। 53वीं जीएसटी परिषद की बैठक के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को दर युक्तिकरण के जीओएम का अध्यक्ष बनाया गया है।

शिवाजी कांप्लेक्स में पाइपलाइन बिछाने को लेकर फर्जी बिल पर लगभग 38 लाख का हुआ भुगतान

दलाल ठेकेदारों के इशारे पर बिल हुआ पास

सिंगरौली। नगर निगम सिंगरौली में भ्रष्टाचार चरम सीमा पार हो गया है, ननि का भ्रष्टाचार तात्कालिक कमिश्नर सत्येंद्र सिंह धाकडे के समय सर चढ़कर बोल रहा था जबसे नए कमिश्नर डीके शर्मा आए तो लगा कि एक ईमानदार एवं साफ छवि के कमिश्नर सिंगरौली को मिले है, लेकिन सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार दलालों के इशारे पर तात्कालिक कमिश्नर सतेंद्र सिंह धाकड़े के रवैया पर वर्तमान कमिश्नर डीके शर्मा भी कार्य करने लगे हैं। जानकारी के मुताबिक दलाल ठेकेदार के इशारे पर शिवाजी कांप्लेक्स में पाइप लाइन संबंधित फर्जी कार्य का फर्जी बिल बनाकर लगभग 38 लाख रुपए पास करा भुगतान करा दिया गया। कमिश्नर को इस बात की पूरी जानकारी थी कि यह बिल पूर्णतया फर्जी है। फिर भी

कमिश्नर ने दलालों के चक्कर में आकर बिल को पास करा दिए।

नगर निगम शिवाजी कांप्लेक्स में पाइप लाइन बिछाने को लेकर किए गए फर्जी बिल व भुगतान को लेकर नगर निगम अध्यक्ष के साथ सभी पार्षदों ने आयुक्त नगर निगम को पत्र सौंपते इस मामले में संलिप्त सभी अधिकारयों एवं संविदाकार के ऊपर वैधानिक कार्यवाही करने की मांग की है। वहीं पर आयुक्त के साथ अध्यक्ष एवं पार्षदों ने स्थल पर जाकर निरीक्षण किया तो आयुक्त द्वारा कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया है।

उक्त संविदाकार द्वारा पूर्व में भी नगर निगम में किए गए निर्माण कार्यों में भारी अनियमितता बरती गई है, चाहे वो बिलोंजी चौराहे से एस्सार टाऊन तक डामरीकरण हो, हॉस्पिटल ट्रामा सेन्टर के पीछे से लेकर सत्या इंटरनेशनल तक नाला निर्माण हो या सामुदायिक भवन का साज-सज्जा निर्माण कार्य हो, इन सभी कार्यों में संविदाकार द्वारा व्यापक रूप से अनियमितता बरती गई है। अगर इन सभी मामलों में कभी किसी ने बात भी करनी चाही तो संविदाकार द्वारा पैसों की बात कहकर सबको खरीद लेने की धमकी दी गई और गली चौराहों पर बोला गया कि अभी मुझे लोग जानते ही कहा है एक अड़ानी देश चला रहा हैं, तो मै भी सिंगरौली का दूसरा अड़ानी ही हूं।

सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार फर्जी बिल व भुगतान कराने वाले संविदाकार द्वारा जन प्रतिनिधियों के ऊपर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया जा रहा है, नाम न छापने की शर्त पर एक सूत्रकार ने बताया कि संविदाकार द्वारा कहा गया कि अध्यक्ष और पार्षद सब हमारी मुट्ठी में (रिलायंस कंपनी का एक स्लोगन चरितार्थ होता है कि कर लो दुनिया मुट्ठी में) है, इनकी सबकी औकात 1000-2000 की है। इस बात पर कितनी सच्चाई है यह तो संविदाकार और जन प्रतिनिधि ही जान सकते हैं। फिलहाल अध्यक्ष सहित सभी पार्षद उक्त संविदाकार को ब्लैक लिस्ट एवं उक्त मामले में संलिप्त अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही कराने लामबंद होकर ऊर्जाधानी से राजधानी तक संपर्क में लगे हुए हैं।

जयंत पुलिस द्वारा रात्रि में चोरी गयी बुलेरो वाहन को चोर सहित 24 घंटे के अन्दर ढूढ़कर चोर को किया गिरफ्तार

4 लाख कीमती बुलेरो वाहन जप्त

सिंगरौली। बीते 21 जुन को पुलिस चौकी जयंत में फरियादी विजय प्रताप सिंह पिता अजय प्रताप सिंह निवासी गोल चक्कर जयंत ने चौकी आकर रिपोर्ट दर्ज करायी कि रात्रि में उनके घर के सामने खडी बुलेरो वाहन लाल कलर क0 एमपी-53 सीए-1893 कोई अज्ञात चोर चोरी करके ले गया है, जिस पर तत्काल चौकी प्रभारी जयंत द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर अप0क0-393 / 24 धारा 379 ताहि0 कायम कर अज्ञात चोर एवं बुलेरो वाहन की तलास की जाने लगी।पुलिस अधीक्षक के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व नगर पुलिस पुलिस अधीक्षक एवं थाना प्रभारी प्रभारी विन्ध्यनगर की सत्त निगरानी में चौकी प्रभारी जयंत द्वारा चोरी गयी बुलेरो वाहन सहित आरोपी को पकडकर न्यायालय पेश किया गया।इस मामले में जयंत चौकी प्रभारी द्वारा सीसीटीव्ही सहित अन्य माध्यमो से अलग-अलग टीमें बनाकर एवं स्वयं एक टीम के साथ आरोपी की तलास की जाने लगी, तभी आज सुबह सूचना मिली कि चोरी की बुलेरो वाहन को शक्तीनगर तरफ देखा गया है, जिस पर तत्काल एक टीम रवाना कर आरोपी इससे पहले कि बनारस भाग जाता शक्तीनगर अनपरा के बीच से आरोपी महाबीर सिंह पिता संतोष सिंह उम्र 21 वर्ष सा0 धुरीताल को मय बुलेरो वाहन कीमती 04 लाख रूपये जप्तकर आरोपी को गिर0 कर न्यायालय पेश किया गया।

उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी विन्ध्यनगर अर्चना द्विवेदी, चौकी प्रभारी जयंत सुरेन्द्र यादव, सउनि श्यामबिहारी द्विवेदी, राजवर्धन सिंह परिहार, सतीश दीक्षित, प्रआर संजय सिंह परिहार, सुनील मिश्रा, बीरेन्द्र पटेल, आर महेश पटेल, अशोक यादव, मआर सीसीटीव्ही कन्ट्रोल कीर्ति पाठक, शामिल थे।

महिला थाना मे हुआ जन चेतना परामर्श एवं नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन

सिंगरौली। महिला थाना सिंगरौली मे नवाचार अन्तर्गत जन चेतना परामर्श एवं नशा मुक्ति कार्यक्रम श्रीमती निवेदिता गुप्ता पुलिस अधीक्षक जिला सिंगरौली के कुशल निर्देशन मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, शिवकुमार वर्मा के मार्गदर्शन मे उप निरी. प्रियंका शर्मा द्वारा आयोजन किया गया। आयोजन मे 15 आवेदिकाओं के आवेदन पर आज दिनांक 22/06/2024 को थाना बुलाया जाकर जन चेतना परामर्श मे सलाहकार एवं काऊंसलर की उपस्थिति मे पति-पत्नी की समस्याओं को सुना जाकर निदान हेतु परामर्श दिया गया। आज दिनांक 22/06/2024 को 05 प्रकरणों मे परामर्श उपरान्त पति पत्नी एक साथ रहते हुए अच्छे जीवन की शुरुआत करने के लिये सहर्ष तैयार होने पर साथ मे भेजा गया। 10 प्रकरण मे आवेदक / अनावेदक द्वारा समय की मांग की गई जिन्हे अगली चेतना परामर्श मे समझाईस देने की सलाह दी गई।उपरोक्तानुसार नवाचार अन्तर्गत किये जा रहे परामर्श का उद्देश्य सुखद वैवाहिक जीवन का संचालन है। उपरोक्त परामर्श मे करीब 50 महिला पुरुष उपस्थित रहे विधिक सलाहकार अधिवक्तागण एवं काऊंसलर मानिकराम पाण्डेय, संतोष दुबे, श्रवण तिवारी द्वारा उपस्थित महिलाओं एवं पुरुषों को परामर्श एवं विधिक जानकारी दी गई एवं बताया गया कि परिवार के टूटने मे नशा एक बहुत बड़ी वजह होती है इसलिये नशे से सदैव दूरी बनाकर रखें ।

जन चेतना परामर्श व नशा मुक्ति कार्यक्रम प्रत्येक शनिवार दोपहर 11.00 बजे से महिला थाना मे आयोजित किया जाएगा । इसका फालोअप पीड़िता / शिकायतकर्ता के घर जाकर मौके से सतत् किया जाएगा। उपरोक्त कार्यक्रम को सम्पन्न कराने मे उप निरीक्षक आई.पी. वर्मा, बेलाकली सिंह, अखिलेश रावत, रवि सिंह बघेल, सतीष बागरी, योगेंद्र मिश्रा, संदेश यादव एवं प्रताप सिंह की भी सहभागिता रही।

स्वस्थ एवं स्वच्छ समाज के निमार्ण हेतु आध्यात्मिक सशक्तिकरण आवश्यक : अवधेश बहन

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय विंध्य नगर में पत्रकार सम्मलेन कार्यक्रम हुआ संपन्न

सिंगरौली। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के उप क्षेत्रीय मुख्यालय तपोवन कंपलेक्स विंध्य नगर, सिंगरौली मे पत्रकार सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में नगर के प्रतिष्ठित पत्रकार एवं मीडिया कर्मी उपस्थित थे। इस पत्रकार वार्ता का मूल उद्देश्य था ब्रह्माकुमारीज की वार्षिक थीम आध्यात्मिक सशक्तिकरण द्वारा स्वस्थ एवं स्वच्छ समाज के विषय में सबको अवगत कराना। पत्रकारों को संबोधित करते हुए ब्रह्मा कुमारीज की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी अवधेश दीदी ने

आध्यात्मिक सशक्तिकरण के बारे में पत्रकारों को समझाते हुए कहा कि आध्यात्मिकता का अर्थ है आत्मा के मौलिक गुणों शान्ति, प्रेम, आनंद, पवित्रता और शक्ति को बढ़ाना तथा सर्व को एक परमपिता परमात्मा की सन्तान भाई - भाई समझना ।आध्यात्मिक सशक्तिकरण के बिना स्वर्ग या रामराज्य केवल कल्पना ही है, उसे वास्तविकता में परिणित नहीं किया जा सकता। अध्यात्म का मतलब होता है, अध्ययन और आत्मा। जो एनर्जी, जो शक्ति आत्मा के अध्ययन के लिए लगाई जाती है उसको ही अध्यात्मिक शक्ति बोलते हैं। आध्यात्मिकता को आम तौर पर किसी व्यक्ति की अंतिम या पवित्र अर्थ और जीवन में उद्देश्य की खोज के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त इसका अर्थ व्यक्तिगत विकास , धार्मिक अनुभव , अलौकिक क्षेत्र या परलोक में विश्वास या किसी के अपने आंतरिक आयाम को समझना या तलाश करना हो सकता है। जिंदगी में आनेवाली स्थितियों को सामना करने के लिए अध्यात्म मानसिक स्तर पर तो आपको मज़बूत बनाता ही है। लेकिन, साथ ही यह शरीर के इम्यून सिस्टम को इंफेक्शन्स और वायरल बीमारियों से बचाने में भी सहायता करता है। दरअसल, अध्यात्म हमारे नर्वस सिस्टम पर भी सकारात्मक प्रभाव डालता है। आप जो भी कार्य करते हैं, अगर उसमें सभी की भलाई निहित है, तो आप आध्यात्मिक हैं। अगर आप अपने अहंकार, क्रोध, नाराजगी, लालच, ईर्ष्या और पूर्वाग्रहों को गला चुके हैं, तो आप आध्यात्मिक हैं। बाहरी परिस्थितियां चाहे जैसी हों, उनके बावजूद भी अगर आप अपने अंदर से हमेशा प्रसन्न और आनंद में रहते हैं, तो आप आध्यात्मिक हैं । स्वच्छ मानसिकता के आधार पर ही समग्र स्वास्थ्य संभव होता है। सही अर्थों में स्वस्थ व्यक्ति शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक तीनों आयामों पर खरा उतरता है।

विद्यालय में नहीं बनता मध्यान भोजन, शिक्षक भी रहते हैं अनुपस्थित, ग्रामीणों ने लगाया आरोप

सिंगरौली। केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा आदिवासियों के लिए कई तरह के सार्थक कदम उठाए जा रहे हैं।ताकि भारत के मूल निवासियों को सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा स्वास्थ्य सहित अन्य सुविधाओं का अभाव न हो उन्हें भी महसूस हो सके कि हम इस देश में रहकर समानता के दर्जे में जी रहे हैं। परंतु अजब गजब का मामला मामला चितरंगी विकासखंड के ग्राम पंचायत क्षेत्र बगदरी अंतर्गत शासकीय प्राथमिक पाठशाला जुड़नी टोला का है जहाँ भोले- भाले आदिवासीयों के बच्चे पढ़ने जाते हैं,परंतु शिक्षकों की अनुपस्थिति के कारण बिना विद्या ग्रहण कीये ही लौट आते हैं।सूत्रों की माने तो बगदरी ग्राम पंचायत के अंतर्गत कुछ ऐसे गांव एवं मजरे मोहल्ले हैं जहां के लोग आज भी सड़क,बिजली,पानी के विकास से अछूते हैं किसी भी तरह से शासन ने शिक्षा की व्यवस्था के लिए उक्त ग्रामों में विद्यालय संचालित कर दी है परंतु इतने के बावजूद भी भोले-भाले आदिवासियों के बच्चे लाभ से वंचित है।ताज्जुब की बात तो यह है कि मध्यप्रदेश के समस्त शासकीय विद्यालय खुल चुके है। सभी व्यवस्थाओं को संचालित

करने का निर्देश भी जारी हो चुका है।परंतु जुड़नी टोला के विद्यालय के शिक्षकों एवं समूह संचालकों पर कोई असर नहीं पड़ा जो बहुत बड़ा सवाल खड़ा करता है? वहीं आसपास के लोगों एवं विद्यार्थियों की माने तो जून 2024 के महीने में विद्यालय जब से खुली है तब से एक भी दिन मध्यान्ह भोजन नहीं बना है।यहां तक की शिक्षक विद्यालय में आते ही नहीं हैं,यदि कभी आते भी हैं तो मुख्य द्वार का ताला खोलने के बाद विद्यालय में ना रहते हुए पदीय दायित्वों के प्रति उदासीनता दिखाकर कहीं अन्यत्र चले जाते हैं।ऐसे में शासन का जो उद्देश्य है कि विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा मिल सके तो शासन की मनसा पर पानी फिरता ही दिखाई दे रहा है।इतना ही नहीं दबंग समूह के अध्यक्ष बुनऊवा देवी,सचिव फुलवा देवी के द्वारा मध्यान्ह भोजन भी नहीं बनवाया जाता है।आदिवासी बालक घर से यह सोच कर जाते हैं कि विद्यालय में भोजन मिलेगा परंतु विद्यालय में भोजन न मिलने पर भूखे वापस लौट आते हैं, पैसे में भूखे भोले भाले आदिवासियों के बच्चों के दिल में क्या गुजरती होगी?यह किसी से छिपा नहीं है।इसे शिक्षकों की लापरवाही कहें या समूह संचालकों की दबंगई। जिसके संबंध में ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए अपनी आवाज शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का प्रयास किया है अब देखना यह होगा कि शासन-प्रशासन आदिवासी बच्चों को विद्या के साथ-साथ भोजन दिलवा पाते हैं या यूं ही अंधेर नगरी का खेल जारी रहेगा।

हिंडालको महान में विश्व योग दिवस पर रिप्रिजम के तहत किये गये योगासन

सिंगरौली। विश्व योग दिवस के मौके पर हिंडालको महान में रिप्रिजम के तहत विशेष योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सूर्योदय के साथ ही इस कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यूनिट हेड एस. सेन्थिलनाथ के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में एस. शशिकुमार, आदर्श, पी.के. बोष, राजश्री पात्रा सहित सैकड़ों महान कर्मियों व अधिकारियों ने भाग लिया। इस योग कार्यक्रम में महिलाओं व बच्चो ने भी योग के महत्व को जन जन पहुचाने के लिये योग में भाग लिया। योग

कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने योग और सूर्यनमस्कार का अभ्यास किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कैसे योग तनाव से राहत देता है, बेहतर नींद लाता है, भूख और पाचन को बढ़ाता है और दिमाग को हमेशा शांत रखता है। योग के दौरान मांसपेशियों में खिंचाव, मरोड़ और विभिन्न क्रियाएं होती हैं, जिससे शरीर की थकान दूर होती है और व्यक्ति तरोताजा महसूस करता है। इस कार्यक्रम ने योग के वैश्विक महत्व को पुनः स्थापित किया और इसे जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की सफलता ने साबित कर दिया कि योग न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए बल्कि सामूहिक सामंजस्य और शांति के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अदाणी समूह ने विश्व योग दिवस पर कराया योगाभ्यास, दिया निरोग रहने का संदेश

सिंगरौली। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में अदाणी नेचुरल रिसोर्सेज एवं बंधौरा स्थित महान एनर्जेन लिमिटेड के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किये गए। इस मौके पर जहां उन्होंने योगाभ्यास के जरिये स्वस्थ शरीर और मजबूत मन के लिए लोगों को जागरूक किया वहीं आसपास के विद्यालयों में अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से योग शिक्षकों के द्वारा छात्र, छात्राओं और कर्मचारियों को विभिन्न योगासन करवाए गए। इस मौके पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में करीब 2000 से ज्यादा युवाओं एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। नगवा गांव स्थित सरस्वती शिशु मंदिर द्वारा आयोजित जागरूकता रैली में 800 छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और योगाभ्यास किया। इस आयोजन का उद्देश्य योग के महत्व को समझाना और जनमानस में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना था। रैली की शुरुआत विद्यालय परिसर से हुई, जहां छात्रों ने विभिन्न योगासनों का प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने योग के विभिन्न आसनों के लाभ और उनके सही तरीके के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसी कड़ी में, अदाणी फाउंडेशन के उत्थान कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित आसपास के 20 शासकीय विद्यालयों में भी योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 1000 से अधिक छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने हिस्सा लिया। अदाणी नेचुरल रिसोर्सेज के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को झलरी गांव स्थित एमएफए बिल्डिंग परिसर में प्रशिक्षक बिनोद कुमार सिंह के द्वारा योगाभ्यास करवाया गया। अदाणी फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने बताया कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है।

जियावन पुलिस पर फिर लगा थर्ड डिग्री का आरोप, युवक की आत्महत्या के बाद मामले ने पकड़ा तूल

एक माह पूर्व भी शराब की मुखबिरी पर लगा था मारपीट का आरोप, एसडीओपी एवं टीआई को नोटिस जारी कर मांगा गया है जबाव

सिंगरौली। जियावन पुलिस इन दिनों थर्ड डिग्री को लेकर चर्चा में है। ताजा मामला एक युवक के आत्महत्या से जुडा हुआ है। इसके पहले भी जियावन पुलिस पर शराब पैकारी की मुखबिरी करने वाले यूवक के साथ मारपीट के आरोप लग चुके है। जिसकी जांच चल रही है।

उल्लेखनीय है कि जोगिनी निवासी राकेश कुमार नाई पिता गुलाब प्रसाद नाई ने गुरुवार की रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जियावन पुलिस चोरी के एक मामले में उसे पूछताछ करने के लिए थाने में बुलाया था। थाने से छूटने के बाद वह घर पहुंचा और रात में फासी लगा ली। आत्महत्या की इस घटना को पुलिस की कार्यवाही से जोडा जा रहा है। मृतक के परिजनों का आरोप पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खडे कर रहे है। परिजनों का आरोप है कि राकेश के साथ थाने में मारपीट की गई है तथा उसके शरीर पर मारपीट के निशान है। बताया कि उसने इस संबंध में अपने भाई को मोबाइल के जरिये बताया था कि उसके साथ थाने में मारपीट की गयी है और रुपये मांगे गये है। आरोप लगाया गया है कि पुलिस की प्रताडना से ही उसने आत्महत्या की है। करीब महीने भर पहले भी एक घटना सामने आयी थी जिसनें पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगा दिया है। दरअसल खडौरा निवासी युवक प्रवेश चतुर्वेदी ने शराब की अवैध पैकारी की सूचना पुलिस को मौके से दी। सूचना पर पुलिस मौके पर तो पहुंची लेकिन पैकारी करने वालों पर कार्यवाही की बजाय सूचना देने वाले युवक प्रवेश चतुर्वेदी पर ही टूट पड़ी। प्रवेश चतुर्वेदी ने बताया कि उन्हें एसडीओपी कार्यालय में बुलाया गया और

वहां के उनके साथ मारपीट की गयी। जिसकी शिकायत उन्होंने पुलिस अधीक्षक से की है।

शरीर पर चोट के निशान

दोनों घटनाओं में पीडितों के शरीर पर चोंट के निशान बताये जा रहे हैं। शराब मुखबिरी मामले में पीडित प्रवेश चतुर्वेदी के शरीर पर गंभीर चोट के निशान स्पष्ट दिखायी दे रहे हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र देवसर के चिकित्सक ने भी शरीर पर चोट लगना स्वीकारते हुये इलाज किया था। वहीं जोगिनी में युवक की आत्महत्या मामले में भी परिजनों ने पुलिस पर प्रताडना का आरोप लगाते हुए मृतक के शरीर पर चोट के गंभीर निशान बता रहे हैं।

मुखबिरी करना पड़ा भारी

अवैध कार्य हो रहा है तो उसकी मुखबिरी परेशानी में डाल सकती है। पुलिस को सूचना तो आप इस आशा से देंगे की अवैध कार्य पर कार्यवाही होगी लेकिन इसका उल्टा भी हो सकता है उल्टा आप पर ही परेशानी टूट सकती है। जीहां ऐसा ही एक मामला हालही में सामने आया है। जिसमें अवैध शराब की पैकारी की सूचना देने वाला व्यक्ति परेशानी में पड़ गया पैकारी करने वालों पर कार्यवाही की बजाय पुलिस सूचना देने वाले आम व्यक्ति पर ही टूट पडी। उसे एसडीओपी कार्यालय में पुलिस ने बुलाया और उसकी वहीं जमकर कुटाई की गई। पीडित व्यक्ति ने मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक से की है। जिसके बाद एसडीओपी एवं टीआई को नोटिस जारी कर जबाव मांगा गया है।

नोटिस का जबाव देने में छूट रहे पशीने

शराब मुखबिरी मामले में प्रताडना के आरोप झेल रही जियावन पुलिस को पुलिस अधीक्षक कार्यालय से नोटिस जारी हुई है। जिसका जबाव देने में जियावन पुलिस के पशीने छूट रहे हैं। दो बार नोटिस मिलने के बाद भी जबाव नहीं दे पा रही है। ऐसे में पहले से एक मामले में उलझी पुलिस के सामने फिर मुसीबत खडी हो गयी। आत्महत्या के मामले में भी वही आरोप पुलिस को परेशानी में डाल सकता है।

इनका कहना है

यह मामला मेरे संज्ञान आया है। संबंधित मामले में एसडीओ देवसर एवं जियावन टीआई को नोटिस जारी की गयी है। जबाव संतोष जनक न होने पर कार्यवाही की जाएगी।

शिवकुमार वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिंगरौली

सीधी लोकसभा संसदीय क्षेत्र को बनाएंगे आदर्श लोकसभा : राजेश

ब्यौहारी विधानसभा में प्रथम नगर आगमन पर नवनिर्वाचित सांसद का हुआ जगह-जगह भव्य स्वागत, दी लाखों की सौगात

सीधी। लोकसभा संसदीय क्षेत्र सीधी अंतर्गत ब्यौहारी विधानसभा के खटखटिया तालाब जिसकी अनुमानित लागत लगभग 72 लाख है, का भूमिपूजन करने की पश्चात विशाल जन समुदाय को संबोधित करते हुए सीधी लोकसभा संसदीय क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने कहा कि सीधी लोकसभा संसदीय क्षेत्र को एक आदर्श संसदीय क्षेत्र के रूप में विकसित करेंगे। जिसके अंतर्गत आने वाली सभी आठो विधानसभाओं के मूलभूत ढांचे में सुधार करते हुए लोगों के लिए जनकल्याणकारी कार्यों को संचालित किया जाएगा। नवनिर्वाचित सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने कहा कि मेरे स्वभाव में ही सेवा भाव है और अब मुझे सेवा के लिए और बड़ी जिम्मेदारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी ने सौपी है। मैं आप सभी को यह विश्वास दिलाता हूं कि आप के विश्वास,

श्रद्धा और स्नेह पर खड़ा उतारूंगा।

सांसद डॉक्टर मिश्रा ने कहा कि जल प्रकृति की बहुमूल्य धरोहर है। इसका संरक्षण, संवर्धन करना हम सभी की नैतिक जवाबदारी के साथ-साथ सामाजिक कर्तव्य भी है। इस दौरान सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा ने उपस्थित जनता जनार्दन का दोनों हाथ जोड़कर अभिनंदन करते हुए, मिले अपार स्नेह के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से क्षेत्रीय विधायक शरद कोल, शहडोल भाजपा जिला अध्यक्ष कमल प्रताप सिंह सहित वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नवनिर्वाचित सांसद डॉ राजेश मिश्रा का व्यौहारी विधानसभा प्रवास के दौरान

मझौली में मंडल द्वारा फलों से तोड़कर उनका अभिनंदन किया। जिसमें मंडल अध्यक्ष प्रवीण तिवारी सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लोकसभा संसदीय क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद डॉ राजेश मिश्रा का जगह-जगह लाड़ली लक्ष्मी की बेटियों ने कलश दिखाकर एवं पुष्प कुछ द्वारा अभिनंदन किया। व्यवहारी विधानसभा के प्रथम प्रवास के दौरान नवनिर्वाचित सांसद डॉ राजेश मिश्रा का विशेष रूप से विभिन्न ग्राम पंचायत द्वारा जगह-जगह स्वागत किया गया जिसमें मुख्य रूप से बंजारी, चौफाल कोठार, करवाही, खाम घाटी, तिलवारी, चमराडोल, चूवाही छादा में काफिले को रोककर नवनिर्वाचित सांसद डॉक्टर मिश्रा का अभिनंदन किया ।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं नवनिर्वाचित सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा ने काशी के विद्वान पंडित और अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की पूजा करवाने वाले आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की है।

सांसद डॉ.राजेश मिश्रा ने शोक श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए कहा कि जनवरी में उनके बताए विधि-विधान के मुताबिक राममंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। पूजन की ज्यादातर सामग्री वो अपने साथ काशी से लेकर गए थे। काशी के मूर्धन्य वैदिक श्रौत-स्मार्त कर्मकाण्ड विशेषज्ञ साङ्गवेद विद्यालय के यजुर्वेदाध्यापक दीक्षित के बिना देश में शायद ही कोई बड़ा अनुष्ठान हुआ हो। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दे एवं उनके शिष्यों और अनुयायियों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा 23 जून को, परीक्षा के लिए बनाये गये 03 केन्द्र

संभागीय प्रेक्षक ने परीक्षा केन्द्रों का किया निरीक्षण

सीधी। सीधी जिले में लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा के लिए 03 केन्द्र बनाये गये हैं। यह परीक्षा 23 जून को आयोजित की जायेगी। प्रारंभिक परीक्षा के लिए नियुक्त संभागीय प्रेक्षक सेवानिवृत्त आईएएस केएम गौतम ने जिले के परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने प्रारंभिक परीक्षा के संबंध में लोक सेवा आयोग द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। प्रारंभिक परीक्षा में जिले में 1474 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 1 में 500, एसआईटी कालेज रीवा रोड जमोडी सीधी में 500 तथा शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में 474 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। उल्लेखनीय है कि परीक्षा दो पालियों में सुबह 10 बजे से 12

बजे तक तथा दोपहर 2.15 बजे से शाम 4.15 बजे तक होगी। परीक्षार्थी परीक्षा कक्ष में चेहरा ढककर तथा मोजे-जूते पहनकर प्रवेश नहीं कर सकेंगे। परीक्षार्थी अपने साथ पेंसिल, रबर, व्हाइटनर, घड़ी, हाथ में पहनने वाले बैंड, बेल्ट, धूप में पहनने वाले चश्मा तथा बालों को बांधने वाले क्लचर का भी उपयोग नहीं कर सकेंगे। लोक सेवा आयोग द्वारा प्रवेश पत्र में दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हों। परीक्षा केन्द्र में मोबाइल, फोन, पेजर, डिजिटल डायरी, कैलकुलेटर, घड़ी, कम्पास, ग्राफ पेपर, स्केल तथा किसी भी प्रकार का पेपर नहीं ले जा सकेंगे।

मां ने मासूम बेटी की चाकू मारकर की हत्या

फिर उसी के खून से दीवार पर लिखा- मेरी मौत के जिम्मेदार...

सीधी

मध्य प्रदेश के सीधी जिले में शनिवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसमें एक मां ने अपनी बेटी की हत्या कर खुदकुशी करने की कोशिश की। महिला ने चाकू से गोदकर मासूम बेटी की जान ले ली। इसके बाद उसने बेटी के खून से ही दीवार पर लिखा- मेरी मौत के जिम्मेदार सास, ससुर, बड़ी ननद और मेरे पति हैं।

दीवार पर सुसाइड नोट लिखने के बाद उसने चाकू से खुद के शरीर पर भी वार कर खुदकुशी करने की कोशिश की। महिला को गंभीर हालात में उपचार के लिए सीधी से रीवा रेफर किया गया है। सीधी पुलिस के अनुसार घटना पडैनिया गांव की है, जिसमें बच्ची की मौत हो गई। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

पुलिस ने की परिवार से पूछताछ

घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला के कमरे के अंदर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। कमरे में पलंग पर मासूम बच्ची का खून से लथपथ शव पड़ा था। जमीन पर बच्ची का खून बहा हुआ मिला। पुलिस ने जांच के बाद बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया। फिर परिवार के लोगों से एक-एक करके घटना के संबंध में जानकारी भी ली। प्रारंभिक तौर पर मामला घरेलू प्रताड़ना को नजर आ रहा है, जिससे तंग आकर महिला ने ऐसा कदम उठा लिया। पुलिस इस मामले में आस-पास के लोगों और महिला के मायके वालों से भी पूछताछ कर सकती है। महिला को इलाज कराने के लिए रीवा भेजा गया है। इलाज के बाद वो होश में हाती है, तो उसके बयान भी लिए जाएंगे।

विवेकानंद युवा मंडल हस्तिनापुर संबंध नेहरू युवा केन्द्र द्वारा योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया

सीधी। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य मे स्वामी विवेकानंद युवा मंडल हस्तिनापुर संबंध नेहरू युवा केन्द्र सीधी द्वारा योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मंडल अध्यक्ष रावेंद्र प्रजापति द्वारा गांव के युवा साथियों को योग का महत्व को समझाते हुए गांव के लोगों से प्रतिदिन योग करने के लिए आग्रह किया गया और मुख्य अतिथि ने कहा कि जो व्यक्ति प्रतिदिन योग करेगा वो हमेशा निरोग रहेगा,कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सतानंद विश्वकर्मा, हरीश नवैत,रहे और मंडल सदस्य,में सुनील नवैत,अजय नवैत,अनुपम विश्वकर्मा, विवेक विश्वकर्मा,दीपेंद्र प्रजपति, रघुवेन्द्र प्रजापति,राजीव प्रजापति, पुष्पेंद्र,निशू उपस्थित रहे।

पल्स पोलियो अभियान 23 से 25 जून

पल्स पोलियो अभियान में पाँच साल तक के हर बच्चे को पोलियो की दवा पिलायी जायेगी

सीधी

जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 23 जून से 25 जून तक पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान पांच साल तक के 192446 बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य तय किया गया है। हमारे जिले और देश से पोलियो का उन्मूलन हो चुका है, लेकिन देश के दो पड़ोसी देशों पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान में पिछले साल तक पोलियो के केस मिले हैं। इससे हमारे देश के बच्चों को भी पोलियो का खतरा बना हुआ है।

जिले में पल्स पोलियो अभियान में 192446 बच्चों को पिलाई जाएगी दवा

बच्चों की सुरक्षा के लिए 23 जून को पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा। इसमें पांच साल तक के सभी बच्चों को पोलियो की दवा दी जाएगी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे इस महाअभियान में महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, शिक्षा विभाग तथा अन्य विभागों को जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं।

प्रथम दिवस पोलियो बूथ में अधिकतम बच्चों को पोलियो की दवा पिलायी जायेगी। किसी कारणवश बूथ न पहुंचने वाले बच्चों को घर-घर जाकर 24 तथा 25 जून को पोलियो की दवा पिलायी जायेगी। पोलियो की दवा पिलाने के दूसरे दिन यदि बच्चा अनुपस्थित मिलता है तो उसकी सूची तैयार कर एक सप्ताह के अंदर उसे दवा पिलाकर ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज किया जायेगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आई जे गुप्ता ने बताया कि अभियान के दौरान 192446 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। पोलियो की दवा पिलाने के लिए जिले भर में 1207 पोलियो बूथ बनाए गए हैं। इनमें दवा पिलाने के लिए प्रशिक्षित कर्मचारी तैनात रहेंगे। पोलियो बूथ आंगनवाड़ी केन्द्र, पंचायत भवन तथा स्कूलों में बनाए गए हैं। पोलियो की दवा पिलाने के लिए 32 ट्रांजिट टीमें तथा 9 मोबाइल दल भी तैनात किए गए हैं। रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड, बड़े हॉट बाजारों, बड़े निर्माण स्थलों पर भी पोलियो की दवा पिलाने की व्यवस्था की गई है।

बॉक्सिंग संघ और एथलेटिक संघ के द्वारा मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

सीधी। स्थानीय मानस भवन के प्रांगण में सीधी जिला बॉक्सिंग संघ और एथलेटिक्स संघ के खिलाड़ियों के द्वारा दिनांक 21 जून को 10वे में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन बहुत ही उत्साह और समर्पण के साथ मनाया गया इस अवसर पर खेल युवा कल्याण विभाग से आए हुए भूपेश ठाकरे और समस्त खिलाड़ियों के साथ बॉक्सिंग कोच सचिव माखनलाल मिश्रा योग प्रशिक्षक संध्या मिश्रा व एथलेटिक्स कोच रोशन जायसवाल, पुनीता चौबे के द्वारा रुचि दिखाते हुए विभिन्न योगासन वृक्षासन एवं ताड़ासन का योगाभ्यास किया इस अवसर पर ठाकरे के द्वारा संबोधित करते हुए रेखा की अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हमें प्राचीनतम याद दिलाता है कि हमे अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को योग के माध्यम से समय निकालकर हमें योग करना चाहिए और स्वस्थ रहना चाहिए।

आदित्य बिड़ला हायर सेकेंडरी स्कूल में मनाया गया अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

सीधी। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है और शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योग बहुत ही महत्वपूर्ण प्रक्रिया है इस उद्देश्य को ध्यान में रखकर आदित्य बिड़ला हायर सेकेंडरी स्कूल आदित्य विहार, सीधी (म0प्र0) में हर्षोल्लास पूर्वक अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं तथा छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही। ताईक्वांडो के अन्तर्राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता क्रीड़ा व योग शिक्षक प्रकाश प्रजापति के सफल निर्देशन में योग शिविर का आरम्भ हुआ। सर्वप्रथम योग विज्ञान के प्रणेता महर्षि पतंजलि को प्रणाम व का उच्चारण करके, प्राणायाम

तथा विभिन्न आसनों का अभ्यास किया गया। विद्यालय के खेल शिक्षक मोहित मिश्र, शिक्षिका श्रद्धा सिंह, छात्रा वैष्णवी शर्मा, अंजली मिश्रा, सादिया, साइना, आस्था सिंह, समीक्षा सिंह, सदापूर्णिमा गुप्ता, खुशी विश्वकर्मा तथा छात्र विजयभान कुशवाहा, नीलेश त्रिपाठी, ऋषभ मिश्रा, ने विशिष्ट प्रदर्शन किया। अन्य सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी योगाभ्यास किया। व्यायाम और आसनों के लाभ तथा सावधानियों की जानकारी दी गई। सफलता पूर्वक मंच का संचालन अजय कुमार मिश्र के द्वारा किया एवं वर्तमान समय में योग के महत्व व दैनिक जीवन में उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अगर प्रत्येक व्यक्ति को निरोग रहना है तो उसे योग करना आवश्यक है। वर्तमान दूषित पर्यावरण एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों से भरे जीवन में अनेक बीमारियों से दूर रखने में केवल योग ही सक्षम है। प्राचार्य अतुल कुमार पाण्डेय ने विद्यालय में आयोजित योग शिविर की सराहना करते हुए कहा कि छात्र शिविर में कराए गए व्यायाम और आसनों का अभ्यास अपने घर में भी प्रतिदिन करते रहें। वरिष्ठ शिक्षक एस.एल. कचेर ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। अंत में विश्व शांति की कामना, मंगल पाठ और राष्ट्रगान के साथ शिविर का समापन हुआ।

खेती हमारे लिए स्वाभिमान का व्यवसाय : सांसद

सीधी। लोकसभा संसदीय क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने अपने व्यस्ततम समय में से कुछ समय निकालकर अपने कृषि कार्य हेतु आज उन्नत एवं प्रमाणिक बीज खरीद कर खेती के व्यवसाय को प्रोत्साहन किया।

नवनिर्वाचित सांसद डॉ मिश्रा ने इस दौरान कहा कि मैं और मेरे पूर्वज अन्य कार्यों के साथ-साथ खेती का व्यवसाय भी करते हैं। मैं चिकित्सीय पेसे के साथ-साथ समाज जीवन के अनेक क्षेत्रों में काम करते हुए, कुछ समय निकालकर खेती के लिए आवश्यक देता हूं। खेती की समय पर जुताई, बुवाई, देखभाल और कटाई ठीक समय पर हो, इसे मै निश्चित रूप से प्राथमिकता से करता हूं। आगामी खरीफ फसल के सीजन के लिए सभी किसान भाइयों को शुभकामनाएं देते हुए यह अपील करता हूं कि सभी किसान भाई प्रमाणित और उच्च कोटि का बीज अधिकृत दुकानों से ही खरीदें। जिससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा अनुसार खेती को फायदे का धंधा बनाया जा सके और किसान की आय दोगुनी हो सके। इसके पूर्व खाद बीज विक्रेता पुष्पराज मिश्रा ने सांसद डॉ राजेश मिश्रा का माल्यार्पण द्वारा स्वागत कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र मणि दुबे, आईटी के जिला संयोजक आशीष मिश्रा, श्रवण चौबे, मिश्रा बीज़ भण्डार संचालक पुष्पराज मिश्रा, किसान विपिन सिंह चौहान, अनिष्का सीड्स प्रा. लिमिटेड कंपनी प्रतिनिधि मनीष तिवारी, और अनुज शुक्ला सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

25 दिवसीय नाट्य कार्यशाला का समापन 24 व 25 को

किलकारी बिहार से आये अतिथि प्रशिक्षकों ने प्रशिक्षित किया छात्रों को

सीधी। इन्द्रवती नाट्य समिति एवं यूसीएन मास पब्लिक स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 25 दिवसीय नि:शुल्क नाट्य कार्यशाला में किलकारी बिहार से आये अतिथि प्रशिक्षक संटू गुप्ता सेंटी कुमार और चिंटू कुमार ने छात्रों को नमस्कार जी नमस्कार नाटक को सिखाया है, जहां चिंटू कुमार ने बच्चो को योग प्रशिक्षण दिया, सेंटी कुमार ने क्राफ्ट पेंटिंग मास्क मेकिंग सिखाया और संटू गुप्ता ने रंगमंच की बारीकियों से विगत कराते हुए नाटक का निर्देशन किया है। यह नाटक आज के शिक्षा व्यवस्था और माता पिता के क्रूर व्यवहार को दर्शाता है, आज सारे बच्चे मोबाइल के नजदीक और माँ बाप से दूर होते जा रहे है किसका कारण सिर्फ बातचीत न करना है, अपने सुख दुख को न बाटना, सयुंक्त परिवार में न रहना है।

24 जून को नाटक नमस्कार जी नमस्कर का मंचन होगा और वही 25 को मुम्बई से आये अतिथि गीता अग्रवाल जी के शार्ट फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा और उनके साथ प्रवीण कुमार सिंह का एक टॉक शो रखा जाएगा। कार्यक्रम में अतिथि रूप में डॉ अनूप मिश्रा जी इंजी. आर बी सिंह जी उपस्थित रहेंगे।

जिला सीईओ ने कपुरी कोठार भरतपुर तालाब का किया निरीक्षण

नवनिर्मित पार्क परिसर में पर्यटकों के लिए बनेगा होम स्टे, पर्यटन स्थल बनाने की दिशा में किया जा रहा है प्रयास

सीधी। जिले के जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के अन्तर्गत ग्राम कपुरी कोठार भरतपुर में प्राचीन तालाब को पुनर्जीवित कर बेहतर तरीके से सौंदर्यीकरण कराया गया है और तालाब की पूर्वी मेड़ पर पार्क एवं पश्चिमी मेड़ पर बनी वाटिका लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। शुक्रवार को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी राहुल थोटे, जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के सीईओ राजीव तिवारी ने कपुरी कोठार भरतपुर के तालाब के सौंदर्यीकरण एवं पार्क, वाटिका का अवलोकन किये। इस दौरान जिला सीईओ ने कहा कि इस तरह

के कार्य बिना जनभागीदारी के संभव नहीं होते। इसके लिए दृढ़ इच्छा शक्ति की जरूरत होती है। कपुरी कोठार भरतपुर का यह तालाब अन्य लोगों को मार्गदर्शन करेगा कि गांव के तालाब को इस तरह से बनाया जा सकता है। उन्होंने ने कहा कि रीवा सीधी मार्ग के किनारे बने तालाब और पार्क यहां से आने जाने वाले व्यक्तियों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां पर्यटन का काफी संभावनाएं है। कपुरी कोठार भरतपुर से चंदरेह, शिकारगंज, बाणसागर डैम, परसिली रिसोर्ट काफी नजदीक है। कपुरी कोठार भरतपुर तालाब के सौंदर्यीकरण में तीन वर्ष से बिना परिश्रमिक लिए अपना पूरा समय और सहयोग देने बाले भरतपुर निवासी मकरंद पाण्डेय को 15 अगस्त के शुभ अवसर पर सम्मानित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि मकरंद पाण्डेय जैसे लोगों की आज समाज को काफी जरूरत है जो समाजिक कार्यों के लिए अपना पूरा समय दे रहे हैं और निस्वार्थ सेवा कर रहे हैं। जिला पंचायत सीईओ ने तालाब की पिचिंग, बोट, लाइट, फब्बारा, होम स्टे आदि कार्यों के लिए प्रयास करने की बात कही। इस अवसर पर समाजसेवी अखिलेश पाण्डेय, ऋषिराज मिश्रा उपाध्यक्ष जनपद पंचायत रामपुर नैकिन, उपयंत्री अखिलेश मौर्य, बीरेंद्र द्विवेदी राजेश यादव, विनय पाण्डेय, संतोष पाण्डेय, हनुमान प्रसाद मिश्रा, शिवेन्द्र मिश्रा, मकरंद पाण्डेय, रामराज कुशवाहा, राजबहोर कोल आदि ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

संपादकीय

बेटियों के नाम पर झूठा सम्मान

आज जब दुनिया भर में लोग अपने पूर्वाग्रहों और दुराग्रहों को छोड़ कर सामाजिक-आर्थिक विकास की नई राह पर निकल रहे हैं, उसमें ऐसी खबरें दुखद लगती हैं कि किसी पिता ने सिर्फ इसलिए अपनी बेटी की जान ले ली कि उसने किसी अन्य जाति के लड़के से प्रेम किया और उससे शादी करना चाहती थी।दिल्ली के प्रेमनगर इलाके में एक व्यक्ति को इस बात पर आपत्ति थी कि उसकी बेटी किसी अन्य जाति के लड़के से विवाह करे। उसने योजनाबद्ध तरीके से बेटी की हत्या कर दी। आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया गया है, लेकिन इस घटना से एक बार फिर यह सवाल उठा है कि देश के विकास के मोर्चे पर सामाजिक मसलों की प्राथमिकता क्या है और उसमें सुधार के लिए क्या किया जा रहा है।झूठे सम्मान के नाम पर की गई हत्या की यह कोई अकेली घटना नहीं है। देश के अलग-अलग इलाकों से अक्सर ऐसी घटनाएं सामने आती रहती हैं, जिनमें किसी प्रेमी जोड़े को उनके परिवार वालों ने ही मार डाला, क्योंकि लड़की और लड़के की जाति या धर्म अलग था।विडंबना है कि बहुत सारे लोग आधुनिकता और तकनीकी विकास के मामले में खुद को मुख्यधारा में शामिल दिखाना चाहते हैं, मगर जाति और धर्म के मसले पर वे एक विचित्र किस्म की संकीर्णता से घिरे रहते हैं। दुनिया की कोई भी संस्कृति प्रेम के विरुद्ध नहीं है और न किसी व्यक्ति को जाति, धर्म या झूठे सम्मान के नाम पर हत्या करने की शिक्षा देती है।मगर अफसोसनाक है कि अनपढ़ से लेकर कई पढ़े-लिखे लोग भी जाति की जड़ता में जकड़े रहते और इस मसले पर कई बार इस हद तक क्रूर हो जाते हैं कि अंतरजातीय प्रेम या विवाह करने वाली अपनी बहन या बेटी की भी हत्या कर डालते हैं।आखिर क्या कारण है कि शिक्षा के प्रसार और तमाम जागरूकता अभियानों में सामाजिक पूर्वाग्रहों को दूर करने के लिए ऐसे उपायों का अभाव दिखता है, जो लोगों को जाति और धर्म की जड़ता से मुक्त कर सकें और मानवीय संवेदना के साथ सामाजिक दायरे के विस्तार को लेकर एक प्रगतिशील सोच का विकास हो !को ही अधिक होगा।

इतने क्यों तपने लगे हमारे घर-शहर

पर्यावरण की अनदेखी का यह इकलौता मामला नहीं है। साल 2021 में कॉप-26 की बैठक में हमारी तरफ से यही कहा गया कि साल 2070 तक हम शून्य उत्सर्जन, यानी नेट जीरो के लक्ष्य तक पहुंच सकते हैं, जबकि अमेरिका व यूरोपीय संघ ने वर्ष 2050 तक और चीन ने 2060 तक इस लक्ष्य को पाने का भरोसा दिया है। यहां यह जानना महत्वपूर्ण होगा कि कार्बन उत्सर्जन के मामले में चीन, अमेरिका और यूरोपीय संघ के बाद भारत का ही स्थान आता है। हालांकि, इसका यह अर्थ नहीं कि शहरी नियोजन में हमने पर्यावरण को लेकर आंखें मूंद रखी हैं। पिछले कुछ वर्षों से, जब से यह मुद्दा जोर-शोर से सामने आया है, इस संदर्भ में तमाम तरह की योजनाएं बनाई गई हैं। मगर जितनी तत्परता योजनाओं बनाने में की गई, संभवतः उतनी ही सुस्ती उनके क्रियान्वयन में बरती गई। प्रबंधन और नियोजन में तालमेल की इस कमी को दूर करना बहुत आवश्यक है।

(केके पांडेय, प्रोफेसर, अर्बन मैनेजमेंट, आईआईपीए)

बेतहाशा बढ़ रही गरमी की एक वजह कार्बन उत्सर्जन नियंत्रित करने की हमारी विफलता भी है। यह सही है कि जलवायु परिवर्तन के कारण अब हमारे शहर 50 डिग्री सेल्सियस तक गरम होने लगे हैं, लेकिन सच यह भी है कि शहरी नियोजन और प्रबंधन में जो सामंजस्य दिखना चाहिए, वह नहीं दिख रहा। राजधानी दिल्ली में ही मास्टर प्लान 2041 तैयार है, जिसमें 'ब्लू-ग्रीन पॉलिसी' पर खूब जोर दिया गया है। यहां 'ब्लू' का अर्थ है, जल-स्रोतों और कचरे का उचित प्रबंधन। यानी, दिल्ली के भूगोल में जल-इकाइयों को बेहतर बनाना और कूड़े का वाजिब निस्तारण करना।

विकसित देशों में पांच से दस प्रतिशत कचरा ही डंपिंग ग्राउंड में जाता है, जबकि अपने यहां इसका उल्टा हो रहा। चूंकि कचरा कार्बन उत्सर्जन का एक बड़ा स्रोत होता है, इसलिए माना गया है कि सीवेज और कूड़े का प्रबंधन आबोहवा को बेहतर बना सकता है। वहीं, मास्टर प्लान में 'ग्रीन' का अर्थ है- हरित पट्टियां या हरियाली का विस्तार। इसके तहत शहरी वानिकी को बढ़ाने का प्रयास किया जाता है। तापमान नियंत्रित रखने का यह एक मान्यता प्राप्त तरीका है। मगर विडंबना यह है कि इस मास्टर प्लान को अब तक अधिसूचित नहीं किया जा सका है।

पर्यावरण की अनदेखी का यह इकलौता मामला नहीं है। साल 2021 में कॉप-26 की बैठक में हमारी तरफ से यही कहा गया कि साल 2070 तक हम शून्य उत्सर्जन, यानी नेट जीरो के लक्ष्य तक पहुंच सकते हैं, जबकि अमेरिका व यूरोपीय संघ ने वर्ष 2050 तक और चीन ने 2060 तक इस लक्ष्य को पाने का भरोसा दिया है। यहां यह जानना महत्वपूर्ण होगा कि कार्बन उत्सर्जन के मामले में चीन, अमेरिका और यूरोपीय संघ के बाद भारत का ही स्थान आता है। हालांकि, इसका यह अर्थ नहीं कि शहरी नियोजन में हमने पर्यावरण को लेकर आंखें मूंद रखी हैं। पिछले कुछ वर्षों से, जब से यह मुद्दा जोर-शोर से सामने आया है, इस संदर्भ में तमाम तरह की योजनाएं बनाई गई हैं। मगर जितनी तत्परता योजनाएं बनाने में की गई, संभवत-उतनी ही सुस्ती उनके

क्रियान्वयन में बरती गई। प्रबंधन और नियोजन में तालमेल की इस कमी को दूर करना बहुत आवश्यक है।

दरअसल, योजनाओं का प्रबंधन सही तरीके से न हो, तो लक्ष्य को पाना मुश्किल होता है। यही कारण है कि उन इलाकों में, जहां सुविधाएं प्रदान नहीं की गई हैं, जहां हरित-पट्टी का अभाव है, जहां पार्क नहीं हैं या जहां वानिकी विकसित नहीं की गई है, गरमी का प्रकोप अधिक रहता है। शहरों में हरित क्षेत्र लगातार सिमट रहे हैं, जिसे बढ़ाने के लिए नियोजित ढंग से प्रयास किए जाने की जरूरत है। साल 2015 में तेलंगाना ने ऐसे ही एक सफल प्रयास की शुरुआत की थी। 'हरिता हारम' नामक इस योजना में राज्य के हरित क्षेत्र को 24 फीसदी से बढ़ाकर 33 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया था और अब तक कई दूसरे प्रयासों के अतिरिक्त यहां के शहरों में 75 हजार हेक्टेयर से अधिक भूमि पर 109 से अधिक पार्क विकसित किए जा चुके हैं। इस योजना में वृक्षारोपण के साथ-साथ उनकी देखभाल के लिए इन्सेंटिव की व्यवस्था भी की गई है।

इसी तरह, तापमान को नियंत्रित रखने के लिए वर्षा-जल के संरक्षण और दूषित जल के दोबारा इस्तेमाल की व्यवस्था भी आवश्यक है। मगर यहां तो जलापूर्ति में भी खासा कुप्रबंधन दिखता है। जल-संकट तो अपनी जगह है, लेकिप इसे नल के जरिये घरों तक पहुंचाने में ही करीब 30-40 फीसदी पानी बर्बाद हो जाता है। इस लीकेज को यदि हम रोक सकें, तो स्वाभाविक ही पानी की उपलब्धता बढ़ जाएगी। मगर इसके लिए पानी की पाइपों की नियमित देखभाल अनिवार्य है, जिसमें हमारा तंत्र चूक जाता है।

यह सिर्फ एक धारणा है कि बड़े शहरों में बहुमंजिली इमारतें ताप को न्योता देती हैं। अलबत्ता, चीन, कोरिया, हांगकांग ने तो ऐसे ही कार्यों से विकास का रास्ता नापा है। वास्तव में, कमी बहुमंजिली इमारतों के निर्माण में नहीं, बल्कि बुनियादी ढांचों की कमी में है। अपने देश में शहरी निर्माण-कार्यों के तहत इमारतें तो बना दी जाती हैं, लेकिन जरूरी हरित पट्टी का विकास नहीं किया जाता। विकास-कार्यों के नाम पर पौधों की बलि ले ली जाती है, लेकिन शहरी वानिकी बढ़ाने पर अमूमन गौर नहीं किया जाता। अब तो कई देशों में 'ग्रीन बिल्डिंग' भी बनने लगी हैं, जिसके तहत बनाई गई इमारतों में गरमी सहने की क्षमता अधिक होती है, लेकिन अपने यहां दिल्ली से सटे गुरुग्राम में संभवत-एक इमारत ही इस नई तकनीक पर बनाई जा सकी, शेष बिल्डरों ने मानो उदासीनता बरत रखी है।

जल-इकाइयों को लेकर भी हमारा व्यवहार रूखा रहता है। गुरुग्राम या बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों में भी जल-इकाइयां बढ़ाना तो दूर, पानी के प्राकृतिक बहाव को भी हमने बाधित कर दिया है। ऐसे कई उदाहरण देश भर में पसरे हुए हैं कि कैसे नदी-पेटी में अथवा डूब क्षेत्र को भी निर्माण-योजना का हिस्सा बना दिया गया, झीलें खत्म कर दी गईं, तालाब पाट दिए गए और हरित क्षेत्रों को निर्माण-कार्यों की भेंट चढ़ा दिया गया। जब तक इन विसंगितयों को दूर करने के प्रयास नहीं होंगे, हमारे शहर यूं ही तपने को विवश होते रहेंगे।

कूड़ा निस्तारण, जल-स्रोतों का विस्तार, हरियाली का विकास, ग्रीन बिल्डिंग पर जोर, सुगम यातायात व्यवस्था, जल प्रबंधन आदि ऐसे क्षेत्र हैं, जिन पर काम करने की जरूरत है। बदलते परिवेश में नियोजन और प्रबंधन में तेज रफ्तार आवश्यक है। रास्ता यहीं से निकलेगा। शहरों का जो विस्तार अब हो रहा है, उनमें तो कुछ हद तक इन मापदंडों का ख्याल रखा जाता है, लेकिन जिन इलाकों में पहले से ही बेतरतीब इमारतें बन चुकी हैं, वहां के लिए खास नीतियां बनानी होंगी। स्मार्ट सिटी के तहत शहरों की बेहतरी की कुछ योजनाएं बनाई गई हैं। अब यह चिह्नित करने की जरूरत है कि स्मार्ट शहरों में क्या-क्या काम हुए हैं। हमें उन कामों को आगे बढ़ाना ही होगा, जो 'नए विकास' को पर्यावरण के अनुकूल बनाए। अब चूंकि वैश्वीकरण का दौर है, तो कोई भी नई संकल्पना किसी एक परिधि तक नहीं सिमटी रह सकती। हम अन्य देशों से भी सबक लेकर अपने यहां पर्यावरण के अनुकूल शहरों का विकास कर सकते हैं। इससे हमारे लिए शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य पाना कहीं ज्यादा आसान हो जाएगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

आंध्र प्रदेश और चंद्रबाबू नायडू से फिर सबको बड़ी उम्मीदें

बेशक, उनकी कोशिशों से जायकेदार बिरयानी और चारमीनार के लिए मशहूर हैदराबाद भारत के आईटी हब के रूप में स्थापित हुआ। पहली बार मुख्यमंत्री बनने के बाद वह माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स से मिले। उस मुलाकात के बाद हैदराबाद की किस्मत खुल गई थी। दुनिया भर की चोटी की आईटी कंपनियों ने वहां अरबों रुपयों का निवेश किया। एक इंटरव्यू में नायडू ने बिल गेट्स से हुई मुलाकात की जानकारी दी थी। बिल गेट्स किसी काम के लिए राजधानी में थे। संयोग से नायडू भी तब राजधानी में थे। आंध्र के मुख्यमंत्री की तरफ से अमेरिकी दूतावास के अधिकारियों से गुजारिश की गई कि उनकी बिल गेट्स से मुलाकात कराई जाए। मुख्यमंत्री को बताया गया कि बिल गेट्स बहुत व्यस्त हैं और अगर वह उनसे मिलने को इच्छुक हैं, तो शाम को अमेरिकी दूतावास के रूजवेल्ट हाउस में आयोजित पार्टी में शामिल हो जाएं।

(विवेक शुक्ला, वरिष्ठ पत्रकार)

एन चंद्रबाबू नायडू जब बुधवार को चौथी बार आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले रहे थे, तब राजधानी के अशोक रोड स्थित आंध्र भवन के कुछ पुराने मुलाजिम उस दिन को याद कर रहे थे, जब वह पहली बार अविभाजित आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। यह बात 1995 की है। अपने ससुर एनटी रामाराव को मुख्यमंत्री पद से अपदस्थ करके नायडू ने सत्ता की बागडोर संभाली थी। तब उनकी छवि बहुत उजली नहीं थी। हालांकि, वक्त गुजरने के साथ नायडू ने साबित किया कि वह एक उद्योग और प्रौद्योगिकी-समर्थक मुख्यमंत्री हैं।

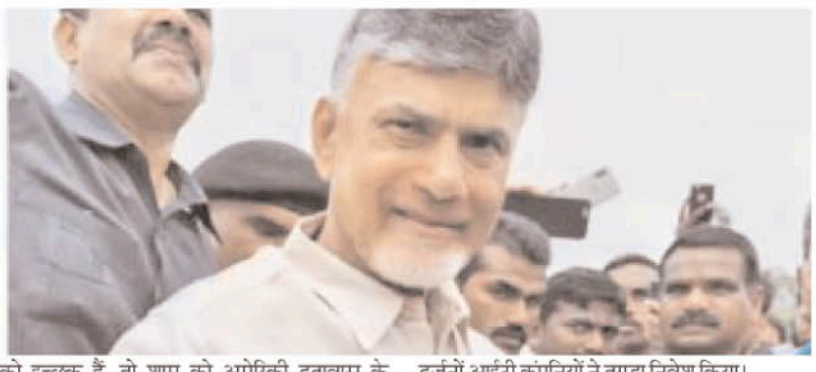

बेशक, उनकी कोशिशों से जायकेदार बिरयानी और चारमीनार के लिए मशहूर हैदराबाद भारत के आईटी हब के रूप में स्थापित हुआ। पहली बार मुख्यमंत्री बनने के बाद वह माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स से मिले। उस मुलाकात के बाद हैदराबाद की किस्मत खुल गई थी। दुनिया भर की चोटी की आईटी कंपनियों ने वहां अरबों रुपयों का निवेश किया। एक इंटरव्यू में नायडू ने बिल गेट्स से हुई मुलाकात की जानकारी दी थी। बिल गेट्स किसी काम के लिए राजधानी में थे। संयोग से नायडू भी तब राजधानी में थे। आंध्र के मुख्यमंत्री की तरफ से अमेरिकी दूतावास के अधिकारियों से गुजारिश की गई कि उनकी बिल गेट्स से मुलाकात कराई जाए। मुख्यमंत्री को बताया गया कि बिल गेट्स बहुत व्यस्त हैं और अगर वह उनसे मिलने

को इच्छुक हैं, तो शाम को अमेरिकी दूतावास के रूजवेल्ट हाउस में आयोजित पार्टी में शामिल हो जाएं। नायडू को दूतावास का न्योता मिला और वह तय समय पर पहुंच गए। उसी पहली मुलाकात में नायडू ने लैपटॉप पर गेट्स को प्रेजेंटेशन दिया। ऐसा प्रेजेंटेशन देने वाले नायडू देश में पहले मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने बिल गेट्स को समझाया कि माइक्रोसॉफ्ट के लिए हैदराबाद में निवेश करना लाभ का सौदा रहेगा। उनकी बातों से बिल गेट्स काफी प्रभावित हुए और साल 1998 में हैदराबाद में माइक्रोसॉफ्ट का रिसर्च ऐंड डेवलपमेंट सेंटर (माइक्रोसॉफ्ट इंडिया डेवलपमेंट सेंटर) स्थापित हुआ। उसके बाद तो हैदराबाद और आंध्र प्रदेश में दर्जनों आईटी कंपनियों ने तगड़ा निवेश किया।

चंद्रबाबू नायडू के मन में बिल गेट्स के प्रति बहुत कृतज्ञता का भाव है। क्या इसे संयोग माना जाए कि पिछले बुधवार को उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ विजयवाड़ा के आईटी पार्क में आयोजित समारोह में ली? बतौर मुख्यमंत्री नायडू जब भी दिल्ली या मुंबई जाते हैं, तो वह देश के बड़े उद्योगपतियों से अवश्य मिलते हैं और उनसे गुजारिश करते हैं कि वे उनके प्रदेश में निवेश करें। अब चूंकि हैदराबाद तेलंगाना में जा चुका है, तो यकीनन वह हरचंद कोशिश करेंगे कि अपनी नई राजधानी में एक नया आईटी हब बनाएं।

मौजूदा दौर की यह बड़ी सच्चाई है कि कोई भी राज्य निजी क्षेत्र के बड़े निवेश के बिना तेजी से चौतरफा विकास नहीं कर सकता। आपको अपने राज्य में निवेश के अनुकूल वातावरण बनाने ही होंगे, ताकि निजी निवेशकों का भरोसा जीता जा सके और वे बिना किसी संकोच के आ सकें। यह अपने आप में सुखद है कि अब अधिकतर राज्य अपने यहां निवेश लाने की पहल कर रहे हैं और इनमें इसे लेकर एक स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा भी है। जाहिर है, जो राज्य बेहतर कानून-व्यवस्था और औद्योगिक माहौल की दिशा में ठोस कदम उठाएगा, उसे उतना ही अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और घरेलू निवेशकों का समर्थन हासिल होगा।

चंद्रबाबू नायडू अपनी बात मनवाने में कुशल हैं। उन्हें आप तर्कों से नहीं हरा सकते। हां, विनम्रता से जरूर अपने पक्ष में कर सकते हैं। विराट बहुमत के साथ चौथी बार का शपथ ग्रहण उनके राजनीतिक कद का परिचायक है। एचडी देवेगौड़ा, इंद्र कुमार गुजराल, अटल बिहारी वाजपेयी और नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनवाने में उनकी भूमिका सबके सामने है। अब जब केंद्र की नई सरकार में उनकी भूमिका 'किंग मेकर' की है, तो यकीनन वह आंध्र के लिए अधिकतम लाभ उठाना चाहेंगे। मगर उनके आगे चुनौती भी कम नहीं है। उन्होंने राज्य की जनता से जो वायदे किए हैं, उसके लिए काफी संसाधन चाहिए। नायडू के चौथे कार्यकाल पर आंध्र ही नहीं, समूचे देश की नजर रहेगी।(ये लेखक के अपने विचार हैं)

वर्ग पहेली 5409

संकेत: बाएं से दाएं

[illegible]

ऊपर से नीचे

[illegible]

वर्ग पहेली 5408 का हल

आरामदेह जीवन को कठिन बनाता जलवायु परिवर्तन

(राहुल जैकब, आर्थिक शोधकर्ता व वरिष्ठ पत्रकार)

ज्यादातर संपन्न शहरी आबादी जलवायु परिवर्तन के असर से खुद को दूर समझती है और इसे एक ऐसी समस्या मानती है, जिससे ग्रामीण इलाकों को जूझना है। उनकी तकलीफें दर्शाती तस्वीरें परोसी जाती हैं। मसलन, बांग्लादेश के वे ग्रामीण इलाके, जहां पहले फसलें उगा करती थीं, अब खारेपन के कारण उनको खाली छोड़ देना पड़ा है; उत्तरी अफ्रीका से दक्षिणी यूरोप के समुद्री तटों पर पहुंचने वाली शरणार्थियों की वे नावें, जिनमें ज्यादातर अप्रत्याशित गरमी से बचने के लिए भागे लोग सवार थे। इस साल फोटो जर्नलिज्म अवॉर्ड के विजेता द्वारा खीचीं गई तस्वीरें या फिर, फ्रंटलाइन पत्रिका में प्रकाशित सुदीप मैती की तस्वीरें, जिनमें गंगा और उसकी सहायक नदियों के कटाव के कारण विस्थापित हुए सैकड़ों ग्रामीणों की मुश्किलें दिखाई गई हैं।

मगर बीते कुछ महीनों से शहरी भारत ने भी जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को काफी करीब से महसूस किया है। दिल्ली में तो इस साल तापमान 50 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया, जबकि साल 2023 में हीट वेव के कुल दिनों में दो-तिहाई देश के दक्षिण और पूर्वी हिस्से की गरमी के दिन थे। पिछले हफ्ते 'सेंटर फॉर साइंस ऐंड एनवायर्नमेंट' ने 'एनाटॉमी ऑफ एन इनफर्नो' नामक एक रिपोर्ट जारी की, जिसके परेशान करने वाले निष्कर्षों में से एक यह भी है कि शहर अब रात में उस तरह ठंडे नहीं हो रहे, जैसे 20 साल पहले हुआ करते थे। यह खासा चिंताजनक है, क्योंकि रात का तापमान पहले की तरह कम नहीं होने से ताप संकट और बदतर हो गया है, जिसके कारण एसी का अधिक इस्तेमाल करना पड़ता है, जो अमूमन अस्वच्छ ऊर्जा की ही खपत बढ़ाते हैं।

भारतीय शहर गरमियों में भट्टी तो बन ही जाते हैं, जलवायु परिवर्तन से अमीर विकसित आबादी भी खूब प्रभावित हो रही है। जिस तरह पिछले साल भारत में टमाटर व प्याज की फसलों के साथ-साथ अनाज की पैदावार गरम हवाओं या गलत समय पर भारी बारिश की वजह से प्रभावित हुई, उसी तरह की परिस्थितियां दक्षिणी यूरोप में भी फसलों को प्रभावित कर रही हैं, जहां पर वाइन अंगूर और जैतून का उत्पादन प्रभावित हुआ है। इंडोनेशिया और वियतनाम में भी ठीक इसी तरह कॉफी का उत्पादन कम हुआ है। इस हफ्ते वॉल स्ट्रीट जर्नल में प्रकाशित एक स्टोरी में बाकायदा आंकड़ों के साथ बताया गया है कि कैसे जैतून तेल और कोको की कीमतें आसमान छू रही हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर शराब का उत्पादन साल 1961 के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर है। शराब और चॉकलेट का संकट तो हम झेल सकते हैं, लेकिन भारतीय शहरों में खासतौर से दिन और रात के तापमान में कम होता अंतर व नमी में वृद्धि सेहत के लिए एक गंभीर चुनौती है। बीतते समय के साथ यह देश में कई मौतों का कारक बन सकता है। फिर भी, इस मुद्दे पर आम चुनाव में शायद ही कोई बात की गई। मुश्किल यह भी है कि गरमी के बीत जाने के बाद हमारा रोजमर्रा का व्यवहार ज्यादा नहीं बदलता। एसी हम उसी तरह इस्तेमाल करते हैं, जैसे कोई नवधनाढ्य अपनी हैसियत का प्रदर्शन करता है, जबकि हांगकांग जैसी जगहों में सार्वजनिक स्थानों पर एसी का तापमान लाजिमी तौर पर 25 डिग्री सेल्सियस के करीब रखने के निर्देश जारी किए जाते हैं।

यह विडंबना है कि अपने देश में, जहां इतनी अधिक धूप है और जिसका लक्ष्य जीवाश्म ईंधन को कम करना है, घरों में सोलर पैनल का इस्तेमाल कम होता है। जबकि, कोलंबो में मैंने देखा था कि बड़े घरों की हर छत से लेकर पास के सुपरमार्केट तक सौर पैनलों से जगमगा रहे थे। इसके बरअक्स बेंगलुरु में, जहां पर मैं रहता हूं, शहरी अव्यवस्था और गरमी बदस्तूर कायम है। यहां तक कि कोई छुट्टी में यहां से निकलना भी चाहे, तो उसकी मुश्किलें कम नहीं होतीं, क्योंकि अखबारों ने यह खबर दी थी कि पिछले महीने उड़ान भरते समय लंदन से सिंगापुर जाने वाला एक विमान हवा के भयावह विक्षोभ में फंस गया था, जो पृथ्वी की सतह के तापमान में वृद्धि के कारण पैदा होता है। स्पष्ट है, हमें अब अपनी सीट बेल्ट बांध लेनी चाहिए, क्योंकि जलवायु परिवर्तन हमारे आरामदायक जीवन को तकलीफदेह बनाने जा रहा है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

आज का राशिफल

मेष

आज का दिन शुभ है और आज आपके लिए धन लाभ के प्रबल योग बन रहे हैं। आपके भाग?य में वृद्धि होगी और शाम तक कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है। आपको कहीं से विशेष सम?मान की प्राप्ति होने के योग हैं और आपके कारोबार में विशेष लाभ के योग हैं। भौतिक विकास का योग अच्छा है।

वृषभ

आज का दिन काफी बिजी रहेगी। ज्यादा भागदौड़ के मामले में सावधानी बरतें। अधिक भागदौड़ के कारण आपको चोट लग सकती है। कोई भी काम संभलकर करें। आपको निर्णय लेने की क्षमता का लाभ होगा। रुके हुए कार्य की पूर्ति होगी।

मिथुन

आज हर मामले में संभलकर रहने की सलाह है। आप फिजूल के खर्चे से बचें। यदि आप किसी प्रकार के रोग से पीड़ित हैं तो आज आपको लाभ होगा और आपका कष्ट दूर होगा। सामाजिक कार्यक्रम में कोई बाधा आ सकती है।

कर्क

आज का दिन उत्तम रहेगा। आपको परिश्रम करने पर सफलता प्राप्त होगी और भाग्य साथ देगा। अपने बच्चों के प्रदर्शन से आप काफी संतुष्ट रहेंगे और मन प्रसन्न रहेगा। आज ननिहाल पक्ष से आपको हर प्रकार का सहयोग प्राप्त होगा।

सिंह

आज का दिन मिश्रित रहेगा और आपको मानसिक अशांति, खिन्नता और उदासीनता की वजह से परेशानी होगी। माता-पिता के सहयोग और आशीर्वाद से आपका दिन सुधरेगा और आपको राहत मिलेगी। आज आपको ससुराल पक्ष के लोगों से किसी प्रकार की नाराजगी हो सकती है।

कन्या

आज का दिन संभलकर रहने का है। साहसपूर्वक अपने कठिन कार्यों को पूरा करने की कोशिश करें तो आपको सफलता प्राप्त होगी। आपको अपने माता-पिता का सुख सहयोग प्राप्त होगा। आज आपके घर के किसी सदस्य के बीमार होने की वजह से आपको परेशानी हो सकती है।

तुला

आज का दिन शुभकारक है। आपके अधिकार और संपत्ति में वृद्धि होने के योग हैं और आपको शुभ लाभ होगा। आज खर्च पर नियंत्रण रखें वरना आपको पैसों की कमी हो सकती है। आज नये कार्यों में इनवेस्ट करना पड़े तो शुभ रहेगा। उम्मीद है। लाभ होगा।

वृश्चिक

आज अशांत और परेशान रहेगा। व्यापार में वृद्धि के लिए किए प्रयास निष्फल हो सकते हैं और आपका किसी काम में मन नहीं लगेगा। शाम तक आप अपने धैर्य और प्रतिभा से शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्त करने में सफल रहेंगे।

धनु

आज आपको करियर के मामले में सफलता प्राप्त होगी। आपकी विद्या और ज्ञान में वृद्धि होगी। आपके अन्दर दान पुण्य एवं परोपकार की भावना विकसित होगी। आप धार्मिक अनुष्ठानों में रूचि लेकर पूर्ण सहयोग करेंगे। भाग्य की ओर से भी आपको पूर्ण सहयोग मिलेगा, आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।

मकर

आज आपको बहुमूल्य वस्तुओं की प्राप्ति होगी। अनावश्यक खर्चे भी सामने आएंगे जो कि न चाहते हुए भी मजबूरी में करने पड़ेंगे। ससुराल पक्ष से मान सम्मान मिलेगा। आपको कारोबार में इजाफा होगा। आपका मन लगेगा और रुके कार्य पूर्ण हो जाएंगे।

कुंभ

आज आप सीमित और आवश्यकतानुसार ही व्यय करें। आप अपने परिजनों के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे। सांसारिक सुख भोग, नौकर चाकरों का सुखपूर्ण रूप से मिलेगा। सांयकाल से लेकर रात तक समीप की यात्रा भी हो सकती है, जो लाभकारक रहेगी।

मीन

आज करियर के मामले में लाभ होगा। किसी मामले में विवाद का हल निकल आएगा। खुशमिजाज व्यक्तित्व होने के कारण लोग आपसे संबंध बनाने की कोशिश करेंगे। सामाजिक सम्मान मिलने से आपका मनोबल बढ़ा रहेगा। रात में परिवार के लोगों के साथ वक्त अच्छा कटेगा और लाभ होगा।

संक्षिप्त समाचार

अंडमान के बीजेपी सांसद की धमकी- जिन लोगों ने वोट नहीं दिया, उनका क्या होगा सोच लेना

नईदिल्ली, एजेंसी। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह से नवनिर्वाचित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद बिष्णु पद रे के उस भाषण का वीडियो वायरल होने के बाद विवाद खड़ा हो गया है, जिसमें वह (उन्हें) वोट न देने वाले लोगों को धमका रहे हैं। हालांकि रे ने शुक्रवार को दावा किया कि उनकी टिप्पणी की गलत व्याख्या की गयी। भाषण के दौरान सांसद ने कहा था, लोगों का काम होगा, पूरा होगा, लेकिन जिन लोगों ने हमें वोट नहीं दिया, उनका क्या होगा। सोच लेना.....। हालांकि, रे ने स्पष्ट किया कि वह पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान निकोबार में कुशासन और भ्रष्टाचार की ओर इशारा कर रहे थे। रे ने यह भी दावा किया, मेरा बयान उन लोगों के एक वर्ग के खिलाफ था, जिन्होंने चुनाव के दौरान मेरे निकोबारी भाइयों और बहनों को गुमराह किया था। इसीलिए मैंने कहा था- सीबीआई आएगी...जरूर आएगी...सोच लेना भैया। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मेरे बयान की गलत व्याख्या की गई और उसे गलत समझा गया। मैंने पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान निकोबार जिले में कुशासन और भ्रष्टाचार की ओर इशारा किया। निकोबारी जनजाति के लोगों को कथित तौर पर धमकी देने के बारे में पूछे जाने पर रे ने कहा, मेरा भाषण कभी भी उनके खिलाफ नहीं था। वे बहुत मासूम हैं। मैंने केवल उन लोगों को चेतावनी दी थी, जिन्होंने पिछले कांग्रेस सांसद के लिए काम किया था और भ्रष्ट आचरण में शामिल थे। उन्होंने मतदाताओं को प्रभावित किया। रे ने हाल ही में संपन्न संसदीय चुनावों में कांग्रेस से अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह की एकमात्र लोकसभा सीट छीनी है। उन्होंने कांग्रेस के उम्मीदवार कुलदीप राय शर्मा को लगभग 24,000 मतों के अंतर से हराया।

तेलंगाना सरकार ने किया बड़ा ऐलान- किसानों के 2 लाख रुपये तक का कर्जा माफ

हैदराबाद, एजेंसी। विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी ने किसानों की कर्जमाफी का वादा किया था। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को राज्य के किसानों के लिए दो लाख रुपये की ऋण माफी की घोषणा कर दी है। उन्होंने कहा, मंत्रिमंडल ने 2 लाख रुपये तक के कृषि ऋण को माफ करने का फैसला किया। पिछली सरकार ने अपने 10 साल के शासन में केवल 28,000 करोड़ रुपये के कृषि ऋण माफ किए थे। पिछली सरकार ने कृषि ऋण माफी योजना का लाभ उठाने के लिए 11 दिसंबर 2018 को कट ऑफ लगा दिया था। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि ऋण माफी की शर्तों सहित इसका पूरा विवरण बाद में घोषित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऋण माफी से राज्य के खजाने पर लगभग 31,000 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। इससे पहले, पिछली बीआरएस सरकार ने भी इसी तरह की योजना की घोषणा की थी। राज्य के खजाने पर 28,000 करोड़ रुपये का बोझ पड़ा था। रेड्डी ने बयान में कहा, सरकार ने किसानों के कल्याण के लिए ऋण माफ करने का फैसला किया है। पिछली सरकार ने दस साल तक किसानों से किया अपना वादा पूरा नहीं किया। हमारी सरकार राज्य में सत्ता में आने के आठ महीने के भीतर किसानों से किया वादा पूरा कर रही है। बैठक के बाद रेड्डी ने किसानों की निवेश सहायता योजनाओं रायथु भरोसा के तौर-तरीकों को अंतिम रूप देने के लिए उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क की अध्यक्षता में एक कैबिनेट उप-समिति के गठन की भी घोषणा की। उन्होंने बयान में कहा कि कैबिनेट उप-समिति राजनीतिक दलों और अन्य हितधारकों के साथ विचार-विमर्श करेगी और 15 जुलाई तक अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। आपको बता दें कि इस साल की शुरुआत में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने वादा किया था कि अगर उनकी पार्टी केंद्र में सत्ता में आती है तो किसानों का ऋण माफ कर दिया जाएगा।

देरी से ऑफिस आने वालों की अब खैर नहीं, सरकार ने तय किया समय

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑफिस देरी से पहुंचने वालों की चिंता बढ़ाने वाली खबर सामने आ रही है। केंद्र सरकार ने साफ-साफ कहा है कि 15 मिनट से अधिक की देरी से दफ्तर आने वालों को माफ नहीं किया जाएगा। उन्हें कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। देश भर के कर्मचारियों को सुबह 9.15 बजे तक कार्यालय में उपस्थित होने और अपनी हाजिरी दर्ज कराने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा वरिष्ठ अधिकारियों सहित सभी कर्मचारियों को बायोमेट्रिक सिस्टम का उपयोग करने के लिए भी कहा गया है। आपको बता दें कि कोरोना संक्रमण के बाद इसका इस्तेमाल बंद कर दिया गया था। केंद्र सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने अधिकतम 15 मिनट की देरी को माफ करने का फैसला किया है। कर्मचारियों को आगाह किया गया है कि अगर वे सुबह 9.15 बजे तक ऑफिस नहीं आते हैं तो उनका आधा दिन का आकस्मिक अवकाश काट लिया जाएगा। सरकारी कर्मचारियों के लिए जारी आदेश में कहा गया है।

आग बुझाने की मशीन बनाने वाली फैक्ट्री ही जली, दो लोगों की मौत, छह घायल

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम के दौलताबाद औद्योगिक क्षेत्र में आग बुझाने के यंत्र बनाने वाली फैक्ट्री में शुक्रवार देर रात जोरदार ब्लास्ट के बाद भीषण आग लग गई। इस हादसे में 2 श्रमिकों की जलकर मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दमकल विभाग की 10 से ज्यादा गाड़ियां रात से ही मौके पर मौजूद हैं।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार देर रात 2 बजे फैक्ट्री में आग लगी। आग इतनी भयानक थी कि 3 किलोमीटर दूर तक लपटें दिखाई दे रही थीं। आग की लपटें और धमाका इतनी तेज था कि कुछ लोग घटनास्थल से 100 मीटर से ज्यादा दूर पास की फैक्ट्रियों में पड़े मिले हैं। पुलिस और दमकल विभाग की टीमें अभी भी अंदर फंसे लोगों को रेस्क्यू करने में जुटी हैं। इस हादसे में आसपास की 10 से ज्यादा फैक्ट्रियों में लोहे के भारी गाटर, एंगल और लोहे की भारी चादरें तक गिर गई। इसमें भी भारी नुकसान हुआ है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद सुबह मौके पर पहुंचे डीसीपी करन गोयल ने इस हादसे में 2 लोगों के मरने और छह लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। इनमें से 2 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है।

सच साबित हुआ उद्यमियों का डर : बता दें कि, हिन्दुस्तान अखबार ने 15 जून को ही फायर एनसीओ नहीं मिलने से उद्यमियों को गर्मी में आग की चिंता से जुड़ी खबर प्रकाशित की थी। दरअसल, गुरुग्राम औद्योगिक क्षेत्र समेत शहर के कई उद्योगों को फायर एनओसी नहीं होने से गर्मी में आग की चिंता सता रही है। नगर निगम के दोहरे मापदंड को लेकर उद्यमी लंबे समय से परेशानी झेल रहे हैं। वहीं, आग की घटनाओं के बाद इंश्योरेंस कंपनियां नगर निगम के दमकल विभाग की ओर से दी जाने वाली फायर एनओसी न होने का हवाला देते हुए उद्योगों को आगजनी में हुए नुकसान की भरपाई भी नहीं करती हैं।

चार औद्योगिक क्षेत्रों में एक हजार फैक्ट्रियां : गुरुग्राम शहर क्षेत्र में दौलताबाद, बसई, कादीपुर और बहरामपुर औद्योगिक क्षेत्र हैं। यहां पर नई औद्योगिक इकाइयां नगर निगम की फायर एनओसी के मापदंड का पालन कर रही हैं। इसमें औद्योगिक परिसर में आग बुझाने वाले यंत्र रखने के अलावा फायर हाईड्रेंड या पानी की टंकी और पंप का इंतजाम करना होता है। औद्योगिक परिसर में फायर सुरक्षा संबंधित पाइपलाइन भी बिछानी होती है। निगम से भवन पूर्णता प्रमाणपत्र भी लेना जरूरी है। नगर निगम ने शुरुआत में उद्योगों को प्रोविजनल फायर एनओसी एक साल के लिए दी जाती है। उसके बाद उन्हें स्थायी फायर एनओसी मिलती है।

निगम अवैध क्षेत्र बताकर सुविधा नहीं देता : पुराने उद्योग औद्योगिक सुरक्षा और नगर निगम के फायर सुरक्षा के तय मापदंडों का पालन कर रहे हैं। उसमें इस तरह की बाध्यताएं नहीं हैं। ऐसे में यदि पुराने उद्योग फायर सुरक्षों निगम के तय मापदंडों को पूरा करते हैं तो उन्हें 5 से 30 लाख रुपये तक का खर्च आता है। दौलताबाद वर्ष 2012 के मास्टर प्लान में शामिल किया। वर्ष 2017 तक उद्योगों का नक्शा पास करने, फैक्ट्री लाइसेंस, फायर एनओसी मिलते थे। वर्ष 2018 से अवैध क्षेत्र बताकर सब देना बंद कर दिया था। इसी तरह बसई, कादीपुर और बहरामपुर क्षेत्र है।

भवन पूर्णता प्रमाण के कारण एनओसी नहीं देते : नगर निगम की ओर से चारों औद्योगिक क्षेत्रों को अवैध एरिया बताकर एनओसी नहीं देता है। इससे इन क्षेत्रों के इमारत बनाने के लिए नक्शा पास नहीं किए जाते हैं। फैक्ट्री लाइसेंस से लेकर फायर एनओसी तक नहीं मिलती है। उद्यमियों का आरोप है कि नगर निगम कॉमर्शियल संपत्ति कर लेता है, लेकिन एनओसी नहीं देता। ऐसे में उद्यमियों को आग की घटनों को लेकर चिंता में है।

ममता की नाराजगी दूर करने में जुटी कांग्रेस, प्रियंका के पक्ष में वायनाड में प्रचार के लिए मनाया

नईदिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी लोकसभा चुनाव में भले ही कांग्रेस को अपने राज्य में एक भी सीट नहीं दी, लेकिन अब वह वायनाड में प्रियंका गांधी के पक्ष में चुनाव प्रचार के लिए जाएंगी। कांग्रेस पार्टी ने उनसे यह अनुरोध किया था, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। इससे पहले ममता बनर्जी ने ही प्रियंका गांधी वाड्रा को वाराणसी से चुनाव लड़ाने का विचार दिया था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने कोलकाता में सचिवालय में ममता बनर्जी के साथ बैठक की थी। सूत्रों ने बताया कि चिदंबरम गांधी परिवार के दूत के रूप में ममता से मिलने के लिए गए थे। टीएमसी सुप्रीमो कांग्रेस से नाराज हैं और उन्होंने कांग्रेस-टीएमसी गठबंधन वार्ता में विफलता के लिए विशेष रूप से बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी को जिम्मेदार ठहराया है। बंगाल में टीएमसी की बड़ी जीत के बाद टीएमसी के दूसरे सबसे बड़े नेता अभिषेक बनर्जी कांग्रेस को छोड़कर विभिन्न मुद्दों पर उन्हें एक साथ लाने के लिए इंडिया गठबंधन के घटक दलों से मिलने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। अभिषेक बनर्जी ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा से नई दिल्ली में मुलाकात की और उसके बाद उद्धव ठाकरे से मिलने के लिए मुंबई चले गए। इस सप्ताह की शुरुआत में सांसद कल्याण बनर्जी, सागरिका घोष और साकेत गोकले के टीएमसी प्रतिनिधिमंडल ने मुंबई में एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार से मुलाकात की और एग्जिट पोल के दिन कथित शेयर बाजार हेरफेर की सेबी जांच की मांग करते हुए एक संयुक्त प्रदर्शन में हिस्सा लिया। कांग्रेस आंदोलन में शामिल नहीं थी।

मुझे ब्लैकमेल किया जा रहा, 3 करोड़ रुपये मांगे, प्रज्वल रेवन्ना के भाई ने दर्ज करवाई एफआईआर

बेंगलुरु, एजेंसी। अश्लील वीडियो और यौन शोषण मामले में आरोपी प्रज्वल रेवन्ना के भाई ने दो लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। प्रज्वल के एमएलसी भाई सूरज रेवन्ना का आरोप है कि उन्हें यौन शोषण मामले में बदनाम किया जा रहा है और तीन करोड़ रुपये की उगाही करने की कोशिश की गई है। बता दें कि प्रज्वल रेवन्ना और उनके पिता एचडी रेवन्ना यौन शोषण मामले के आरोपी हैं। सूरज के एक दोस्त ने पुलिस के पास शिकायत दर्ज करवाते हुए कहा कि चेतन नाम के एक शख्स ने सूरज की सिफारिश से नौकरी लगवाने के लिए उनपर दबाव बनाया था। बाद में चेतन ने कहा कि सूरज ने उनका यौन शोषण करने की कोशिश की। इसके बाद उसने कहा कि अगर सूरज मांग नहीं पूरी करते हैं तो उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी जाएगी। इसके बदले में उसने पहले तीन करोड़ रुपये मांगे। केस दर्ज होने से पहले चेतन एक प्राइवेट चैनल पर भी आया था और उसने कहा था कि उसका यौन शोषण किया गया है। बता दें कि अश्लील वीडियो मामले में प्रज्वल रेवन्ना को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। बता दें कि प्रज्वल रेवन्ना पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते हैं। लोकसभा चुनाव में इस बार उन्हें हासन सीट पर हार का सामना करना पड़ा। प्रज्वल रेवन्ना की करतूतों का कच्चा चिट्ठा एक पेनड्राइव के जरिए खुला था जिसमें कई अश्लील वीडियो थीं।

नहीं झुकेगी भाजपा, अपने पास ही रखेगी लोकसभा अध्यक्ष का पद, टीडीपी को डिप्टी स्पीकर

नईदिल्ली, एजेंसी। 18वीं लोकसभा का अध्यक्ष पद भाजपा अपने पास रखेगी। इस मुद्दे पर राजग में सहमति बन गई है। इस बार उपाध्यक्ष पद पर भी नियुक्ति किए जाने की संभावना है। यह पद भाजपा अपने सहयोगी तेलुगु देशम पार्टी को दे सकती है। जदयू के पास पहले से ही राज्यसभा में उपसभापति का पद है। भाजपा ने लोकसभा में प्रोटेम स्पीकर पद पर भर्तृहरि महताब की नियुक्ति कर साफ कर दिया है कि वह विपक्ष के दबाव में नहीं आएगी। इस बार लोकसभा में भाजपा और राजग की ताकत कम होने और विपक्षी दलों की ताकत बढ़ने के बाद भी सत्ता पक्ष के तेवर में कोई कमी नहीं आई है। सरकार ने संकेत दिए हैं कि लोकसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों पद सत्ता पक्ष के पास ही रहेंगे। सत्ता पक्ष में सबसे बड़ा दल होने के नाते भाजपा अध्यक्ष पद अपने पास रख सकती है, जबकि उपाध्यक्ष पर सहयोगी तेलुगु देशम पार्टी को दिए जाने की संभावना है। हालांकि विपक्ष परंपरानुसार उपाध्यक्ष पद के लिए दावा कर रहा है और ऐसा न होने पर अध्यक्ष व उपाध्यक्ष दोनों पदों पर अपने उम्मीदवार खड़े कर निर्विरोध निर्वाचन में अड़ंगा डाल सकती है।

प्रोटेम स्पीकर को लेकर हुई टकराव की शुरुआत : सत्ता और विपक्ष में टकराव की शुरुआत प्रोटेम स्पीकर को लेकर हो चुकी है। कांग्रेस की तरफ से वरिष्ठ सांसद के सुरेश का नाम आगे बढ़ाया गया था। आठ बार के सांसद सुरेश का वरिष्ठता के लिहाज से दावा भी बनता था, लेकिन सरकार ने सात बार के सांसद भाजपा के भर्तृहरि महताब को इसके लिए चुना क्योंकि वह सात बार लगातार जीते हैं, जबकि सुरेश बीच में दो बार हारे थे।

सरकार ने इसे नियमों के अनुसार उचित ठहराया है, लेकिन राजनीतिक रूप से माना जा रहा है कि सत्ता पक्ष खासकर भाजपा ने 18वीं लोकसभा की शुरुआत में ही साफ कर दिया है कि वह विपक्ष के सामने किसी तरह का समझौतावादी रुख नहीं अपनाएगा। भले ही उसकी ताकत कुछ कम हुई हो, लेकिन पिछली दो सरकारों की तरह वह इस बार भी उन्हीं तेवरों और सक्रियता के साथ काम करेगी। इस बार विपक्ष के तेवर भी कम नहीं है। लोकसभा में कांग्रेस के सांसदों की संख्या पिछली बार से लगभग दोगुनी हुई है। सरकार द्वारा उसे उपाध्यक्ष न दिए जाने की स्थिति में विपक्ष अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों पदों पर उम्मीदवार उतार सकता है। ऐसे में नई लोकसभा की शुरुआत से ही सरकार और विपक्ष सर्वानुमति की जगह टकराव और बहुमत की ताकत की तरफ बढ़ेंगे। इससे सदन में कई मुद्दों पर टकराव बढ़ने की आशंका है। खासकर संविधान संशोधन जैसे विधेयकों पर जहां दो तिहाई सांसदों का समर्थन जरूरी होता है। ऐसे में कई मुद्दों पर सरकार को विपक्ष के सहयोग के बिना अपना कामकाज निपटाना मुश्किल हो सकता है और कई बार पीछे भी हटाना पड़ सकता है।

विधानसभा में हमारी पार्टी समझौता नहीं करेगी: शरद पवार

मुंबई, एजेंसी। लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) के साथ मिलकर लड़ने वाली शरद पवार की पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसपी) ने विधानसभा चुनाव से पूर्व अपने तेवर दिखा दिए हैं। पवार ने गठबंधन में शामिल दोनों ही दलों को साफ शब्दों में कहा है कि लोकसभा चुनाव में तो हम कम सीटों पर चुनाव लड़ लिए, लेकिन विधानसभा में हमारी पार्टी समझौता नहीं करेगी। शरद पवार ने शुक्रवार को पुणे शहर और जिले के पार्टी पदाधिकारियों के साथ एक बैठक की और इसके बाद विधायकों और नवनिर्वाचित सांसदों के साथ भी एक बैठक की थी। इसी दौरान उन्होंने अपना स्टैंड साफ किया।

एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के पुणे प्रमुख प्रशांत जगताप भी पहली बैठक में शामिल हुए थे। जगताप ने बताया कि बैठक में पवार ने पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं से कहा कि एनसीपी ने लोकसभा चुनाव में कम सीटों पर चुनाव सिर्फ इसलिए लड़ा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि शिवसेना और कांग्रेस के साथ गठबंधन बरकरार रहे। जगताप ने कहा,'' उन्होंने संकेत दिए हैं कि विधानसभा चुनाव में स्थिति अलग होगी। उन्होंने बताया कि शरद पवार पुणे, बारामती, मावल और शिरूर लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्रों में स्थिति की भी समीक्षा की। दूसरी बैठक में शामिल हुए पार्टी के एक अन्य नेता ने बताया कि पवार ने सांसदों और विधायकों से विधानसभा चुनावों के लिए तैयार रहने को कहा। वहीं, एनसीपी प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने संवाददाताओं से कहा कि पार्टी ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह सीट बंटवारे के दौरान कितनी सीटें मांगेगी। आपको बता दें कि महाराष्ट्र विधान परिषद में विधायक कोटे से 11 सीट के लिए होने वाले द्विवार्षिक चुनाव इस साल के अंत में होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ महायुति और विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) के लिए एक महत्वपूर्ण परीक्षा होगी। प्रदेश के 288 सदस्यीय सदन में 14 सीट रिक्त होने के चलते, निर्वाचकों की संख्या 274 है, तथा विजयी उम्मीदवार के लिए कोटा 23 है। संख्या बल को देखते हुए एमवीए को 11 में से दो और सत्तारूढ़ गठबंधन को नौ सीट मिल सकती हैं।

कांग्रेस एक उम्मीदवार को एमएलसी के रूप में निर्वाचित करा सकती है, जबकि शिवसेना (यूबीटी) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) एक उम्मीदवार को एमएलसी के रूप में निर्वाचित करा सकती हैं। भाजपा पांच उम्मीदवार को एमएलसी के रूप में निर्वाचित करा सकती है, जबकि शेष चार को सहयोगी शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के लिए छोड़ सकती है। चुनाव 12 जुलाई को होने हैं और नामांकन 25 जून से शुरू होंगे।

राजस्थान में हर महीने सरकारी नौकरी देगी सरकार- मुख्यमंत्री भजनलाल

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के बेरोजगार युवाओं के लिए एक अच्छी खबर है। राय के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सरकारी नौकरी को लेकर बड़ा ऐलान किया है। शुक्रवार को अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के 62वें प्रांतीय अधिवेशन के उद्घाटन समारोह में सीएम शर्मा ने कहा कि अब किसी भी विभाग में पद खाली नहीं रहने देंगे। सभी विभाग के उच अधिकारियों से कहा गया है कि वे अपने-अपने विभाग के कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होते ही खाली पदों की सूची तैयार करें और हर महीने भर्तियां निकालें। सीएम ने बताया कि राय में अब तक 17 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी हैं। राय सरकार इस वर्ष 70 हजार भर्तियां करने जा रही है। सरकार शिक्षा, व्यवसाय, रोजगार, खेल सहित हर क्षेत्र में युवाओं के सपनों को पूरा करने की दिशा में कार्य कर रही है। प्रदेश में चरणबद्ध रूप से कई भर्तियां आने वाली हैं। जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में सीएम ने कहा कि शिक्षकों का काम केवल अक्षर ज्ञान कराने तक सीमित नहीं है। ये राष्ट्र निर्माण का काम भी करते हैं। आज हम सब जो यहां बैठे हैं सभी पर भी किसी ना किसी गुरु की कृपा है। इस दौरान सीएम ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर भी निशाना साधा। सीए ने कहा कि गहलोत सरकार ने पांच साल में बिजली विभाग में एक भी नई यूनिट नहीं लगाई, जिससे बिजली संकट हो गया था। गांवों में पानी के स्रोत के बिना ही पाइप लाइन बिछा दी गई, जिससे पेयजल संकट की स्थिति बनी। राय में भाजपा सरकार आने के बाद इस दिशा में प्राथमिकता के आधार पर काम किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गहलोत सरकार ने बिना योजना बनाए 300 से अधिक कॉलेज खोल दिए। सरकारी इन कॉलेज की समीक्षा करवा रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बजट के लिए शिक्षकों से सुझाव देने को भी कहा। सीएम ने कहा कि बजट में शिक्षकों के हितों का भी ध्यान रखा जाएगा।

अटलसेतु पर नहीं कोई दरार, यह तो एप्रोच रोड है : देवेंद्र फडणवीस

मुंबई, एजेंसी। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने शुक्रवार को दक्षिण मुंबई को नवी मुंबई से जोड़ने वाले अटल सेतु समुद्री पुल के निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और कहा कि उद्घाटन के कुछ महीनों के अंदर ही इसमें दरारें आ गईं, जिससे लोगों की जान को खतरा पैदा हो गया है। हालांकि अब महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस के आरोपों को झूठा बताया है। फडणवीस ने ट्वीट करते हुए लिखा, अटलसेतु पर तो कोई दरार नहीं, ना ही अटलसेतु को कोई खतरा है। ये तस्वीर एप्रोच रोड की हैं। लेकिन एक बात साफ है कि कांग्रेस पार्टी ने झूठ के सहारे 'दरार' का एक लम्बा प्लान बना लिया हैं। चुनाव में संविधान बदलने की बाते, चुनाव के बाद फोन से ईवीएम अनलॉक और अब ऐसी झूठी बातें... देश की जनता ही इस 'दरार' प्लान और कांग्रेस की भ्रष्ट आचरण को परास्त करेगी. इससे पहले नाना पटोले ने दिन में पुल का निरीक्षण किया और दावा किया कि पुल के निर्माण की गुणवत्ता खराब है और सड़क का एक हिस्सा एक फुट तक धंस गया है। हालांकि, सत्तारूढ़ भाजपा और इस परियोजना के लिए नोडल एजेंसी मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने कहा कि दरारें पुल पर नहीं, बल्कि नवी मुंबई में उल्वे से आने वाले मार्ग पर हैं। अटल सेतु को मुंबई ट्रांस-हार्बर लिंक (एमटीएचएल) के नाम से भी जाना जाता है। दक्षिण मुंबई को नवी मुंबई से जोड़ने वाले इस सेतु का उद्घाटन इस साल जनवरी में हुआ था। 17,840 करोड़ रुपये की लागत से बना यह छह लेन का पुल 21.8 किलोमीटर लंबा है और इसमें 16.5 किलोमीटर लंबा समुद्री-लिंक भी है। पटोले ने पत्रकारों से बात करते हुए आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने भ्रष्टाचार की सभी सीमाएं पार कर दी हैं और लोगों की जान जोखिम में डाल दी है। उन्होंने कहा, उद्घाटन के तीन महीने के अंदर ही अटल सेतु पुल के एक हिस्से में दरारें आ गईं और नवी मुंबई के पास सड़क का आधा किलोमीटर लंबा हिस्सा एक फुट तक धंस गया। राज्य ने एमटीएचएल के लिए 18,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। कांग्रेस नेता के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा ने कहा कि जो दरारें दिख रही हैं, वे अटल सेतु पर नहीं बल्कि पुल तक जाने वाली सड़क पर हैं। भाजपा ने कहा कि तत्काल मरम्मत कार्य शुरू किया जा चुका है और अटल सेतु की छवि खराब करने की कोशिशें बंद होनी चाहिए। एमएमआरडीए ने एक बयान जारी कर कहा, एमटीएचएल पुल पर दरारों के बारे में अफवाहें फैल रही हैं। हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि ये दरारें पुल पर नहीं हैं, बल्कि एमटीएचएल को उल्वे से मुंबई की ओर जोड़ने वाली सड़क पर हैं।

बाबर आजम के खिलाफ बोलने की अहमद शहजाद को मिलेगी सजा?

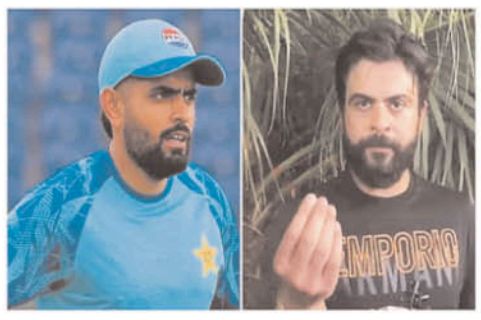

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम यूट्यूबर्स और पूर्व क्रिकेटरों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकते हैं, जिन्होंने उन पर मौजूदा टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के अभियान के दौरान देश से धोखेबाजी और जानबूझकर हारने का आरोप लगाया था। टी20 विश्व कप 2024 में पाकिस्तान टीम के खराब प्रदर्शन के बाद से जमकर बवाल हो रहा है। कभी टीम के खिलाड़ी फैंस से झगड़ा करते हुए पाए जाते हैं तो कभी टीम के पूर्व खिलाड़ी मौजूदा सदस्यों पर निशाना साधते हुए दिखते हैं। इसी कड़ी में पाकिस्तान टीम के पूर्व कप्तान अहमद शहजाद ने कप्तान बाबर आजम के खिलाफ खूब बयान दिए। उन्होंने तो बाबर को सोशल मीडिया का किंग और नकली किंग कहकर भी बुलाया था।

सिर्फ शहजाद ने ही नहीं, कई अन्य पाकिस्तानी यूट्यूबर्स ने भी बाबर की जमकर आलोचना की थी। अब कप्तान बाबर और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) इन सभी के खिलाफ एक्शन लेने की तैयारी में है। सूत्रों के हवाले से बताया है कि पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम यूट्यूबर्स और पूर्व क्रिकेटरों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकते हैं, जिन्होंने उन पर मौजूदा टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के अभियान के दौरान देश की जनता से धोखेबाजी और जानबूझकर हारने का आरोप लगाया था। सूत्रों ने जियो न्यूज को बताया कि पाकिस्तान के अभियान के दौरान, बाबर को निशाना बनाने के लिए एक सोशल मीडिया अभियान का इस्तेमाल किया गया था।

इससे वह बेहद निराश हो गए थे। यह भी बताया गया कि यूट्यूबर्स और पूर्व क्रिकेटरों द्वारा दिए गए बयानों से संबंधित सबूत पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के कानूनी विभाग द्वारा एकत्रित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में पाकिस्तान के कुछ खिलाड़ी और अधिकारी बुधवार तड़के निजी एयरलाइन की उड़ान से लाहौर के अल्लामा इकबाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। वापसी करने वाले खिलाड़ियों में नसीम शाह, उस्मान खान और सीनियर मैनेजर वहाब रियाज शामिल हैं।

टी-20 वर्ल्डकप : 2024

वेस्टइंडीज ने अमेरिका को बुरी तरह मसला

बारबाडोस, एजेंसी। अमेरिका और वेस्टइंडीज के बीच आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 में आज सुपर 8 का मुकाबला खेला गया। दोनों होस्ट नेशन के बीच हुई इस टक्कर में वेस्टइंडीज की जीत हुई। विंडीज ने अमेरिका को चारों खाने चित कर 9 विकेट से हरा दिया। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। अमेरिका 19.5 ओवर में 128 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। 129 रन का टारगेट वेस्टइंडीज ने 10.5 ओवर में ही चेज कर लिया।

वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने मचाया कोहराम

शानदार बल्लेबाजी करने से पहले वेस्टइंडीज ने गेंदबाजी में भी तहलका मचाया। आंद्रे रसेल और रोस्टन चेज ने 3-3 विकेट लिए। इसके अलावा 2 विकेट अल्जारी जोसेफ को भी मिले। वहीं एक विकेट गुडाकेश मोती ने भी झटका। अमेरिका के लिए एंड्रीज गौस ने शुरुआत में अच्छी बल्लेबाजी की। उन्होंने 16 गेंद में 3 चौके और 1 छक्के की मदद से 29 रन बनाए। इसके अलावा नीतीश कुमार ने भी 20 रन की पारी खेली।

रसेल का टी20 वर्ल्ड कप में धमाका

वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर खिलाड़ी आंद्रे रसेल ने इतिहास रच दिया है. वह अपनी टीम की तरफ से टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले संयुक्त रूप से पहले गेंदबाज बन गए हैं. यूएसए के खिलाफ (22 जून) उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए कुल 3 सफलता प्राप्त की. इसके साथ ही उनके नाम टी20 वर्ल्ड कप में शिरकत करते हुए 27 विकेट हो दर्ज हो गए हैं.

शे होप के तूफान में उड़ी अमेरिका

129 रन के टारगेट का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज के लिए ओपन करने उतरे शे होप ने मैच विनिंग पारी खेली। उन्होंने अमेरिका के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। वह सिर्फ चौके-छक्के में ही डील कर रहे थे। होप ने 210 के तूफानी स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 39 गेंद में 82 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने अपनी इनिंग्स में 4 चौके और 8 छक्के भी लगाए। शे होप के अलावा निकोलस पूरन ने भी अपना मसल पावर दिखाया। उन्होंने 225 के स्ट्राइक रेट से नाबाद 12 गेंद में 27 रन ठोके। उन्होंने अपनी पारी में 1 चौका और 3 छक्के लगाए। अमेरिका की तरफ से एकमात्र विकेट हरमीत सिंह ने ली।

रोचक हुई सेमीफाइनल की रेस

वेस्टइंडीज के अमेरिका को हराने से सेमीफाइनल की रेस और भी ज्यादा रोचक हो गई है। अब सुपर 8 के दूसरे ग्रुप में साउथ अफ्रीका 4 अंक के साथ पहले स्थान पर है। इसके बाद वेस्टइंडीज दूसरे तो इंग्लैंड तीसरे स्थान पर है। दोनों टीमों के 2 मैचों में 2-2 अंक हैं हालांकि बेहतर नेट रन रेट के चलते विंडीज इंग्लैंड से ऊपर है। अमेरिका दो में दो मैच हारकर चौथे स्थान पर है और लगभग वर्ल्ड कप से बाहर हो गया है। अब भी इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका में से कोई दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंच सकती है। सारा मामला अंत में नेट रन रेट पर आकर फंस सकता है।

टूट गया टी20 वर्ल्ड कप में 12 साल पुराना रिकॉर्ड

अफ्रीकी गेंदबाज ने किया बड़ा कमाल

सेंट लूसिया, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के बीच में सुपर 8 के खेले गए मुकाबले में काफी रोमांच देखने को मिला जिसमें अंत में अफ्रीकी टीम ने इस मैच को 7 रनों से अपने नाम करने के साथ सेमीफाइनल में अपने पहुंचने की स्थिति को काफी मजबूत कर लिया है। इस मैच में साउथ अफ्रीका की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर्स में 6 विकेट के नुकसान पर 163 रनों का स्कोर बनाया था, जिसके बाद इंग्लैंड की टीम 156 रनों के स्कोर तक ही पहुंचने में कामयाब हो सकी। इस मुकाबले में अफ्रीकी टीम के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्खिया भी एक विकेट लेने में कामयाब रहे जिसमें उन्होंने 2 बड़े रिकॉर्ड टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में तोड़ने का काम किया। नॉर्खिया का अब तक इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है।

ग्रीम स्वान के 12 साल पुराने रिकॉर्ड को नॉर्खिया ने छोड़ा पीछे

इंग्लैंड के खिलाफ मैच में एनरिक नॉर्खिया ने अपने 4 ओवर्स की गेंदबाजी में 35 रन देने के साथ 1 विकेट हासिल किया, जिसमें उन्होंने हैरी ब्रूक को अहम समय पर पवेलियन भेजा था। इस विकेट को लेने के साथ नॉर्खिया ने टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में ग्रीम स्वान के 12 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ने का काम किया। नॉर्खिया अब इस टूर्नामेंट के इतिहास में लगातार 16 पारियों में कम से कम एक विकेट लेने में जरूर कामयाब हुए हैं। इससे पहले ये रिकॉर्ड ग्रीम स्वान के नाम पर था जिन्होंने 15 पारियों में लगातार कम से एक विकेट टी20 वर्ल्ड कप में लिया था।

टी20 वर्ल्ड कप में लगातार पारियों में कम से एक विकेट लेने वाले खिलाड़ी

एनरिक नॉर्खिया - 16 पारियां (साल 2021 से 2024*)

ग्रीम स्वान - 15 पारियां (साल 2009 से 2012 तक)

एडम जम्पा - 15 पारियां (साल 2021 से 2024*)

ईश सोढ़ी - 11 पारियां (साल 2016 से 2021 तक)

डेल स्टेन से आगे निकले एनरिक नॉर्खिया

साउथ अफ्रीका टीम के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्खिया ने इंग्लैंड के खिलाफ मैच में एक विकेट लेने के साथ डेल स्टेन को भी पीछे छोड़ने का काम किया है, जिसमें वह अब अफ्रीकी टीम के लिए टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बन गए हैं। एनरिक नॉर्खिया के नाम अब कुल 31 विकेट हो गए हैं, वहीं डेल स्टेन ने 30 विकेट इस टूर्नामेंट में हासिल किए थे।

साउथ अफ्रीका के लिए टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज

एनरिक नॉर्खिया - 31 विकेट
डेल स्टेन - 30 विकेट
मोर्ने मोर्कल - 24 विकेट
कगिसो रबाडा - 24 विकेट
इमरान ताहिर - 18 विकेट

ओलंपिक से पहले चोटों से मुक्त रहने के लिए प्रतिबद्ध मीराबाई चानू

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू को लगता है कि पेरिस खेलों में उनकी सफलता उनकी चोटों से मुक्त रहने की क्षमता पर निर्भर करेगी क्योंकि वह इस महासमर की स्नैच स्पर्धा में 90 किग्रा का वजन उठाने का प्रयास करेंगी।

चानू 49 किग्रा वजन वर्ग में प्रतिस्पर्धा करती हैं। उन्होंने कहा कि सात अगस्त को उनकी स्पर्धा तक उनका ध्यान मांसपेशियों को चोटों मुक्त रखने और स्नैच में कम से कम 90 किग्रा का वजन उठाने के लिए तकनीक सुधारने पर लगा है। चानू ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) मीडिया से कहा, 'मेरे लिए चोटों का प्रबंधन और तनाव मुक्त रहना महत्वपूर्ण होगा। मुझे वही चीजें करनी होंगी जिससे मुझे उबरने में मदद मिली। उन्होंने कहा, 'हम खिलाड़ियों के लिए चोटें और दर्द साथी होते हैं। ये कब परेशान करना शुरू कर दें, आपको नहीं पता। हमें इन पर विजय पानी होगी और पेरिस ओलंपिक से पता चलेगा कि मैं खेल के इन पहलुओं को कितना नियंत्रित करने में कामयाब हुई। चानू का स्नैच में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 88 किग्रा तथा क्लीन एवं जर्क में 119 किग्रा का है। वह चोटों से जूझती रही हैं और पीठ की समस्या तो हमेशा ही रहती है।

एशियाई खेलों में वह कूल्हे की चोट से परेशान थीं जिससे वह पांच महीने तक खेल से दूर रहीं। यह स्टार भारोत्तोलक एशियाड पदक नहीं जीत सकी है। चानू ने कहा, 'एशियाई खेलों की चोट के बाद विश्व कप मेरी पहली प्रतियोगिता थी। मैं निश्चित रूप से और चोट लगने से डरी हुई थी। मैं पेरिस ओलंपिक का मौका खराब नहीं करना चाहती थी। इसलिये चोट का डर था।

चानू और उनकी टीम जुलाई के पहले हफ्ते में फ्रांस के ले फर्टे-मिलोन जायेगी जिससे उन्हें ओलंपिक से पहले परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने के लिए एक महीने का समय मिल जायेगा। उन्होंने कहा, 'किसी भी भारोत्तोलक के लिए दो ओलंपिक में हिस्सा लेना बड़ी चीज है। विश्व स्तर पर हिस्सा लेना मुश्किल है। दूसरा ओलंपिक पदक जीतना मेरा और मेरे परिवार का सपना है लेकिन मैं यह भी जानती हूं कि सर्वश्रेष्ठ तैयारी भी 'फेल हो सकती है।

ओलंपिक में चयन की खबर सुनकर आंखों में आए आंसू: श्रेयसी सिंह

जमुई, एजेंसी। बिहार के जमुई से भाजपा विधायक श्रेयसी सिंह का पेरिस ओलंपिक-2024 के शॉटगन ट्रैप वूमेन प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। इस खबर से श्रेयसी सिंह बेहद खुश हैं। उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि उनके परिवार और बिहार का सपना पूरा हुआ है। उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि आज सुबह करीब 11 बजे खबर मिली।

मैं कुछ समय के लिए भावुक हो गई। आंख से खुशी के आंसू भी छलक गए। पिताजी की भी बहुत याद आई। उन्होंने कहा कि 21 सदस्यीय भारतीय दल की घोषणा की गई है। निशानेबाजी के 17 साल के कैरियर के बाद यह मौका मिला है। परिवार और बिहार के लिए बड़ी उम्मीद जुड़ी थी। आज मेरा सौभाग्य है कि मैं बिहार की पहली खिलाड़ी बनी हूं, जिसका चयन ओलंपिक के लिए हुआ है। यह करीब एक महीने का लंबा सफर होगा।

हम लोग ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन कर सकें, इसके लिए प्रार्थना करें। श्रेयसी सिंह बिहार की पहली एथलीट हैं, जिसका चयन ओलंपिक के लिए हुआ है। जमुई विधायक श्रेयसी सिंह के पेरिस ओलंपिक में चयन होने पर पूरे जिले में खुशी का माहौल है।

पिछड़ने के बाद यूक्रेन ने की वापसी, स्लोवाकिया को हराकर अगले दौर में पहुंचने की संभावना बरकरार रखी

यूरो कप

नई दिल्ली, एजेंसी। यूक्रेन की टीम इस मुकाबले में एक गोल से पिछड़ रही थी, लेकिन यारेमचुक ने दमदार प्रदर्शन करते हुए यूक्रेन को जीत दिलाई जिसके दम पर उसने खुद को अगले दौर में पहुंचने की दौड़ में बरकरार रखा है। रोमन यारेमचुक के गोल की बदौलत यूक्रेन ने शानदार वापसी करते हुए स्लोवाकिया को यूरोपीय चैंपियनशिप 2024 (यूरो कप) फुटबॉल टूर्नामेंट के मुकाबले में 2-1 से हराया। यूक्रेन की टीम इस मुकाबले में एक गोल से पिछड़ रही थी, लेकिन यारेमचुक ने दमदार प्रदर्शन करते हुए यूक्रेन को जीत दिलाई जिसके दम पर उसने खुद को अगले दौर में पहुंचने

की दौड़ में बरकरार रखा है।

यूक्रेन की तीसरी जीत

यूक्रेन की यह 2024 में चार प्रतिस्पर्धी मैचों में वापसी करते हुए तीसरी जीत है। सोमवार को रोमानिया से मिली 0-3 की हार के कारण खराब गोल अंतर से यूक्रेन नाजुक स्थिति में था और एक और हार उसे बाहर होने की कगार पर भेज सकती थी। तेज बारिश में खेलते हुए स्लोवाकिया ने 17वें मिनट में इवान शरांज के हेडर से किए गए गोल से बढ़त बना ली थी। हालांकि, यूक्रेन ने मायकोला शापारेंको के 54वें मिनट में किए गए गोल से स्कोर 1-1 बराबर कर दिया। यह शापारेंको का टूर्नामेंट में पहला गोल था।

ये विवादित सवाल है, मैं इस पर कोई हेडलान नहीं देना चाहता, गौतम गंभीर किस बात पर भड़के

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर से हाल ही में जब एक इवेंट के दौरान उनके बेस्ट कप्तान के बारे में पूछा गया तो वह भड़क गए। उन्होंने इस सवाल का जवाब यह कहकर दिया कि यह सवाल ही विवादास्पद है और वह इसको लेकर कोई हेडलाइन नहीं देना चाहते। बता दें, गंभीर राहुल द्रविड़, एमएस धोनी, सौरव गांगुली और अनिल कुंबले जैसे बड़े नामों की कप्तानी में खेले हैं। उनका कहना है कि हर कप्तान की अपनी-अपनी विशेषताएं हैं और वह किसी अकेले कप्तान का नाम नहीं लेना चाहते। कोलकाता में एक इवेंट के दौरान गंभीर ने कहा, ÷यह बहुत ही विवादास्पद प्रश्न है। मैं ईमानदारी से इस पर कोई हेडलाइन नहीं देना चाहता, हर किसी की अपनी ताकत और कमजोरी होती है। मैंने राहुल द्रविड़ के नेतृत्व में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया और (सौरव) गांगुली की कप्तानी में वनडे में डेब्यू किया। उन्होंने कहा, मैंने अनिल कुंबले के नेतृत्व में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और एमएस धोनी के नेतृत्व में भी मेरा दौर रहा।

नीट परीक्षा में हुई धांधली को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने प्रदर्शन कर सौपा ज्ञापन

पन्ना। नीट परीक्षा में व्याप्क स्तर पर हुई गडबडिया तथा धांधली को लेकर पूरे देश मे हंगामा मचा हुआ है। देश के बेरोजगार एनडीए सरकार से जमकर नाराजगी तथा विपक्षीय दल मुख्य रूप से कांग्रेस द्वारा उक्त मामले को लेकर पूरे देश मे प्रदर्शन किया जा रहा है। इसी कडी में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर पन्ना जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवजीत सिंह के नेत्रत्व में कांग्रेस पार्टी ने प्रदर्शन करते हुए महामहिम राज्यपाल के नाम जिला कलेक्टर के प्रतिनिधी एसडीएम के माध्यम से ज्ञापन सौपा है तथा मामले मे दोषियो के खिलाफ कार्यवाही करते हुए देश के युवाओं को न्याय दिलाने की मांग की है। ज्ञापन देने वालो मे जिला अभीभाषक संघ के अध्यक्ष राजेश तिवारी, पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष अनीष खान, श्रीमती अनुराधा शेन्डगें, पिछडा वर्ग अध्यक्ष राज बहादुर पटेल, अल्प संख्यक अध्यक्ष कदीर खान, ब्लाक अध्यक्ष अमानगंज भभूत सिंह राजपूत, देवन्द्रनगर आनन्द शुक्ला, गुनौर बबलू गौतम, पन्ना अक्षय तिवारी, अजयगढ के कार्यकारी अध्यक्ष रवी यादव, मार्तण्डदेव बुन्देला, मनीष मिश्रा, व्हीएन जोशी, शशिकान्त दीक्षित, पुरषोत्तम जडिया, माखन पटेल, गिरधारी लोधी, जीवन लाल सिद्धार्थ, राकेश गर्ग, देबू गोड़, मीडिया प्रभारी राकेश शर्मा, रियासत खान, भूपेन्द्र सिंह, जीतेन्द्र सिंह जाटव, नरेन्द्र विश्वकर्मा, रूपेश दीक्षित, अभीषेक चौरसिया, सरदार सिंह यादव, रेहान मोहम्मद, सत्यजीत सिंह परमार, वैभव थापक, खज्जू राजा, इमरान रायन, इजाज खान, अकरम खान, बाल किशोर शर्मा, पप्पू विश्वकर्मा, कमलेश यादव, छोटे राजा यादव, शंकर कवीर पंथी, महेन्द्र पटेल, शुसील मिश्रा, राजा बाबू पटेल, युवक कांग्रेस अध्यक्ष स्वतंत्र प्रभाकर अवस्थी, वैभव थापक, गुड्डु खान, काशी यादव, वंश गोपाल राजपूत, भूपेन्द्र परमार, अमित शर्मा शिव प्रकाश दीक्षित, राम बहादुर पान्डेय, शंकर प्रसाद द्विवेदी, चतुरेश अहिरवार, संतोष मिश्रा, बृजेन्द्र सिंह, उमाशंकर तिवारी, इन्दल पाठक, वीरेन्द्र लोध, शीतल प्रसाद, राजू यादव, दयाराम लोधी, विकास तिवारी, केशरी अहिरवार, मुस्ताक खान, सौरभ पटैरिया, राम बहोरी लोधी, कैलाश सिंह यादव, अजय सिंह, मोती शिवहरे, लोकेन्द्र सिंह, श्रवण तिवारी, सहित भारी संख्या में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

मिनी स्मार्ट सिटी पन्ना की सड़के गड्ढो मे तब्दील

पन्ना। जहां एक ओर प्रदेश सरकार द्वारा पन्ना जिले मे मिनी स्मार्ट सिटी की सौगात दी गई थी तथा जुगल किशोर लोक बनाने ऐलीवेटेड रोड बनाने, बृस्पत कुंड मे कांच का पुल बनाने, मेडिकल कालेज खोलने सहित अनेक प्रकार के सपने दिखाये जा रहे है। वहीं दूसरी ओर पन्ना नगर तथा जिले की हालत बदतर बनी हुई है। जिला मुख्यालय के मुख्य मार्ग भगवान जुगल किशोर जी मंदिर से लेकर बडा बाजार मुख्य सडक की दूरी मात्र सौ मीटर है। लेकिन उक्त सौ मीटर सडक वर्षो से खुदी पडी हुई है। गड्ढे ही गड्ढे नजर आ रहे है। जबकी स्मार्ट सिटी के नाम पर करोड़ो रूपये खर्च किये जा चुके है। लेकिन उक्त छोटी से सडक का निर्माण नगर पालिका एवं जिला प्रशासन द्वारा नही किया गया है। स्थानीय लोगो ने तत्काल सडक निर्माण कराये जाने की मांग की है।

वर्षो से जमें खंड पंचायत अधिकारी द्वारा किया जा रहा भारी फर्जीवाड़ा

आंगनवाड़ियो मे बच्चो के लिए खरीदी गई सामग्री मे किया गया भारी भ्रष्टाचार

सचिवो से आडिट के नाम पर वसूले जा रहे लाखो रूपये

पन्ना। जनपद पंचायत पन्ना में पदस्थ खंड पंचायत अधिकारी घनश्याम शर्मा विगत कई वर्षो से पन्ना जनपद पंचायत मे जमें हुए है। पूर्व मे वह सचिव के पद पर कई वर्ष तक मडला तथा अन्य ग्राम पंचायतो मे पदस्थ रहें है। इसके बाद वह खंड पंचायत अधिकारी के पद पर पदोन्नति पा कर पन्ना जनपद मे ही जमें हुए है। इनकी पहचान सभी से इसी कारण जनपद पंचायत पन्ना की 74 पंचायतो के सचिव इन्ही के हिसाब से कार्य करते है। अभी कुछ दिन पूर्व अक्टूबर, नवम्बर 2023 में तत्कालीन खनिज मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह के द्वारा खनिज मद से आंगनवाडीयो मे बच्चो के लिए जिला पंचायत को दो करोड़ की राशि स्वीकृत की गई थी। उक्त राशि सभी जनपदो मे आवंटित की गई। जिसमें प्रत्येक ग्राम पंचायत को 25-25 हजार की राशि प्रदान की गई थी। जिसके माध्यम से ग्राम पंचायत की एक आंगनवाडी मे घिसल पट्टी, खिलोने आदि खरीदे जाने थें। पन्ना जनपद पंचायत मे भी उक्त खरीदी की गई। जो रायल फर्नीचर फर्म से खरीदी गई जिसमे मात्र दस हजार से ज्यादा का समान नही है। लेकिन 25-25 हजार के भुगतान ग्राम पंचायतो से वसूले गये। जिसमें खंड पंचायत अधिकारी तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने मिलकर बन्दर बांट की है। उदाहरण के तौर पर पन्ना जनपद पंचायत में ग्राम पंचायत बडोर, सुन्दरा, मुटवाकला, आदि ग्राम पंचायतो मे सामग्री देखी जा सकती है। इसी प्रकार ग्राम पंचायतो की आडिट कराई जाती है, आडिट के नाम पर खंड पंचायत अधिकारी श्री शर्मा द्वारा सचिवो से दस से बीस हजार रूपये तक की राशि वसूली जाती है। इकट्ठी राशि लेकर आडिट वालो को कुछ राशि देकर बन्दर बाट कर ली जाती है। यह आलम वर्षो से चल रहा है।

कार्यवाही करने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पन्ना। आशा पर्यवेक्षक तथा आशा, ऊषा कार्यकर्ताओं द्वारा कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौपकर कार्यवाही की मांग की है। उक्त मामले को लेकर रूकमणि प्रजापति पर्यवेक्षक तीरथपुर द्वारा बताया गया कि विगत वर्ष आशा, ऊषा पर्यवेक्षक वेतन वृद्धि की मांग को लेकर संगठनो के सहयोग से काम बंद हडताल सीएमओ कार्यालय परिषर में स्थित शिव मंदिर प्रांगण मे किया गया था। जिसमें संगठन को सफलता मिली तथा सरकार द्वारा वेतन बृद्धि करते हुए अन्य मांगे मान्य की गई। जिसको लेकर संगठन तथा संविदा स्वास्थ कर्मचारी संगठन ने मिलकर भोलेनाथ जी मंदिर मे धार्मिक अनुष्ठान तीन दिवसीय कराया गया था। उक्त आयोजन में सभी ने भरपूर सहयोग किया। लेकिन इसी दौरान कुछ लोगो द्वारा अनावश्यक रूप से चन्दा वसूली के झूठे आरोप लगाये गये थे, जो बे बुनियाद है, श्रीमती रूकमणि प्रजापति ने मामले की जांच कराकर दोषीयो के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की है।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

पन्ना। दसवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन केंद्रीय विद्यालय पन्ना में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा प्रात: 8:00 बजे से बड़े उत्साह एवं ऊर्जा के साथ मनाया गया। योग शिक्षक देवेंद्र अवस्थी आयुष मंत्रालय प्रोटोकॉल के अंतर्गत योग में प्रार्थना चालन क्रिया में आसन, प्राणायाम एवं ध्यान का विधिवत अभ्यास कराया गया। मंडूक आसन, वृक्षासान, भुजंगासन, त्रिकोण आसन, सेतुबंध आसन तथा मंत्रोच्चार के साथ सूर्य नमस्कार के 12 आसन कराए गए। योग शिक्षक ने बताया कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वयं और समाज के लिए योग' है। योग इस प्राचीन अभ्यास के सार को पूरी तरह से दर्शाता है। योग केवल व्यक्तिगत कल्याण के बारे में नहीं है; अपितु आंतरिक और बाह्य दुनिया के बीच संबंध को बढ़ावा देता है। योग को एक संतुलनकारी क्रिया के रूप में कल्पना करें, जो मन और शरीर में सामंजस्य स्थापित करती है, विचार को क्रिया के साथ जोड़ती है, तथा अनुशासन को व्यक्तिगत पूर्णता के साथ जोड़ती है। शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक और आत्मिक पहलुओं को एकीकृत करके, योग स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक समग्र मार्ग प्रदान करता है, जो हमारे तेज-रफ्तार जीवन में शांति का एक अत्यंत आवश्यक स्रोत है। विद्यालय के प्राचार्य अमित दाहिया द्वारा विद्यार्थियों को योग के प्रति जागरूक करते हुए बताया कि योग से न केवल व्यक्ति का तनाव दूर होता है बल्कि मन और मस्तिष्क को भी शांति मिलती है योग बहुत ही लाभकारी है, योग न केवल हमारे दिमाग, मस्तिष्क को ही ताकत पहुंचाता है बल्कि हमारी आत्मा को भी शुद्ध करता है।

नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों मे मौत

पन्ना। पन्ना जिले के अजयगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम गड़रपुर निवासी भवानीदीन पाल की 20 वर्षीय पुत्री प्रभा पाल की संदिग्ध परिस्थितियों मौत हो गई है। घटना के संबंध में भवानीदीन ने बताया कि प्रभा का विवाह 2 माह पूर्व ग्राम भभुआ जिला छतरपुर निवासी शिवपाल पाल के साथ हुआ था, 20 जून को प्रभा अपने मायके से पन्ना कॉलेज जाने के निकली जिसके बाद फोन करने पर उसने दिन भर फोन नहीं उठाया, रात में 8 बजे फिर फोन करने पर लखन साहू ने फोन उठाया, प्रभा के बारे में पूछने पर बताया कि वह अजयगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती है। भवानीदीन ने आगे बताया कि जब मैं वहां पहुंचा तो लखन साहू नहीं मिला, बेटी की हालत गंभीर थी, उसके मुंह से झाग निकल रहा था जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतका के बैग में चूहा मारने वाली दवा के खाली पाउच मिले हैं। मृतका के पिता ने लखन साहू पर आत्महत्या के लिए प्रेरित करने के आरोप लगाए हैं। पुलिस एवं नायब तहसीलदार डीआर अहिरवार ने मृतिका के परिजनों के बयान लेकर पंचनामा पोस्टमार्टम उपरांत अंतिम संस्कार के लिए शव परिजनों को सौंप दिया है एवं मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है।

शाहनगर पुलिस ने बीस किलो गांजा पकड़ा, तीन आरोपी गिरफ्तार

पन्ना। पन्ना जिले मे अवैध गांजा तथा शराब का व्यापार चरमसीमा पर चल रहा है। गांव गांव मे गांजा एवं शराब की विक्री की जा रही है। जिससे युवा पीढी बुरी तरह से बर्बाद हो रही है। गांजा तथा शराब बेचने वाले मालामाल हो रहें है। बीच बीच मे पुलिस द्वारा कार्यवाही की जाती है। जिसमें आरोपी पकडे जाते है। इसी प्रकार का मामला शाहनगर थाना पुलिस पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही मे सामने आया है। जिसमें तीन लोग मोटर साईकिल मे गांजा लेकर आ रहे थें। जिन्हे शाहनगर थाना प्रभारी रजनी शुक्ला द्वारा गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से 19.5 किलो गांजा बरामद किया गया। जिसकी कीमत तीन लाख नब्बे हजार आंकी गई तथा एक बिना नम्बर की स्पलेन्डर मोटर साकिल जप्त की गई। जिसकी कीमत सत्तर हजार रूपये है। पुलिस ने अपराध क्रमांक 194/24 धारा 8/20 एन.डी. पी.एस. एक्ट का कायम किया जाकर विवेचना में लिया गया है। उक्त अवैध गांजा मे जो आरोपी गिरफ्तार किये गये है। देवकरन पिता अच्छेलाल पटेल उम्र 30 वर्ष निवासी टपरियन बमीठा जिला छतरपुर, हरिश्चन्द्र पिता रामप्यारे पटेल उम्र 20 वर्ष निवासी खैरी थाना बमीठा जिला छतरपुर, दिनेश पिता रामलखन पटेल उम्र 21 वर्ष निवासी कूड़न थाना बमीठा जिला छतरपुर आदि। उक्त संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी शाहनगर निरीक्षक रजनी शुक्ला, पुलिस सायबर सेल प्रभारी उनि अनिल सिंह राजपूत, उनि संतोष मसराम, सउनि अवधराज उइके, भैयामन सिंह, पुलिस सायबर सेल टीम से प्र.आर. राहुल सिंह बघेल, आशीष अवस्थी, आर. धर्मेन्द्र सिंह राजावत, राहुल पाण्डेय एवं थाना शाहनगर पुलिस टीम से प्र.आर. ईदुल बक्श, आर. दिनेश यादव, रविन्द्र कुमार, राकेश, विनोद डाबर का सराहनीय योगदान रहा।

एस.डी.एम. बनें मास्टर साहब बच्चो की ली क्लास

पन्ना। सरकार द्वारा चलाये गये स्कूल चलो अभीयान के तहत भविष्य से भेंट कार्यक्रम को लेकर जन प्रतिनिधियों तथा अधिकारीयो द्वारा अलग अलग विद्यालयो मे पंहुचकर छात्रो का अध्यापन कार्य कराया गया एवं उन्हे मार्ग दर्शन दिया गया। इसी कडी में पन्ना अनुविभाग के एसडीएम संजय नागवंशी शासकीय हाई स्कूल दिया पंहुचे तथा उनके द्वारा क्लास लेते हुए कहा कि शिक्षा के बिना व्यक्ति का जीवन अधुरा है। क्योकि शिक्षा के द्वारा ही वह अपना सर्वांणगींण विकास करता है।

स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय में किया गया अंतरर्राष्ट्रीय योगा दिवस का कार्यक्रम

पन्ना। श्रीराम शिक्षा प्रसार एवं ग्रामीण विकास समाजोत्थान समिति पन्ना द्वारा संचालित स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय जनकपुर पन्ना एवं स्वामी विवेकानंद आवासीय दिव्यांग संस्थान जनकपुर पन्ना के समेकित तत्वधान में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में महाविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे महाविद्यालय के प्राचार्य आलोक कुमार द्वारा योग के महत्व व दिव्यांग छात्र छात्राओं को होने वाले लाभों से अवगत कराया एवं रूपेन्द्र कुमार पटेल द्वारा योगा में होने वाले आसनो के बारे में जानकारी दी गई और सरदार सिंह यादव द्वारा महाविद्यालय स्टाफ एवं डीएड/बीएड के छात्र छात्राओं को योगा के सभी आसनों की गतिविधि कराई गई। कार्यक्रम उपरान्त छात्र छात्राओं को चाय नाश्ता कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य आलोक कुमार, देवेंद्र कुमार, सरदार सिंह यादव, रूपेन्द्र कुमार पटेल, बादल बढ़ोलिया, अशीष सोनी, लालता प्रसाद लोध, श्रीमति स्वाती चौहान, वर्षा शर्मा, चंद्र शेखर कोल, पुष्पेन्द्र सिंह, परबीन बनो, रामाधार, खटीक बसंत कुमार सेन, राकेश कुमार प्रकाश चंद्र डामोर आदि उपस्थित रहे।

श्री जुगल किशोर मंदिर प्रांगण सेड मे अन्तराष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम आयोजित, सांसद रहे शामिल

पन्ना। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय स्तर पर जिला स्तरीय योग दिवस का आयोजन श्री जुगल किशोर जी मंदिर परिषर मे बनें सेड में आयोजित किया गया था। जिसमें क्षेत्रीय सांसद वीडी शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहें। उक्त योगा कार्यक्रम सुबह 06 बजे से संपन्न हुआ। योगा कार्यक्रम मे क्षेत्रीय विधायक तथा पूर्व खनिज मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह, गुनौर विधायक राजेश वर्मा, कलेक्टर सुरेश कुमार, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मीनाराजे, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मीना पान्डेय सहित अनेक लोग उपस्थित रहें। आयोजित उक्त कार्यक्रम मे शिक्षा विभाग के शिक्षक एवं छात्र छात्राए भी शामिल रही। वैसे तो यह कार्यक्रम शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित किया गया था। लेकिन भाजपा के जनप्रतिनिधियों द्वारा उक्त कार्यक्रम को राजनैतिक की तरह बना दिया गया था।

पोस्टिंग के बाद भी रहस्यमयी ढंग से ओटीटीएमएस पोर्टल पर रिक्त हो गए माध्यमिक शिक्षकों के पद

सतना। अगर, यही हाल रहा तो स्कूल शिक्षा विभाग के एक्सीलेंस स्कूलों में अब मेधावी विद्यार्थियों को अनुभवहीन उच्च माध्यमिक शिक्षक पढ़ाएंगे? कवायद शुरु हो गई है। प्रदेश के उत्कृष्ट विद्यालयों में पहले से ही पढ़ा रहे अनुभवी माध्यमिक शिक्षकों के पद ओटीटीएमएस पोर्टल पर रिक्त (शून्य) कर दिए गए हैं।

जानकारों के मुताबिक ऐसे शिक्षकों को बाहर कर इन्हीं पदों पर सीधी भर्ती से आए अनुभवहीन उच्च माध्यमिक शिक्षकों को पदांकित करने की तैयारी है। संगीन सवाल हैं कि आखिर, किसे उपकृत करने के लिए लोक शिक्षण संचालनालय ने अपने ही कानून - कायदे उलट दिए हैं?

क्या, एक्सीलेंस स्कूलों के लिए शिक्षकों के चयन हेतु निर्धारित विभागीय पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है? इन्हीं जानकारों के मुताबिक ऐसे में शिक्षकों के न्यूनतम 3 से 5 वर्ष के अन्यत्र अध्यापन के अनुभव की बाध्यता का भी अब कोई अर्थ नहीं रह गया है?

शिक्षा में गुणात्मक सुधार एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की गारंटी के लिए वर्ष 2001 में प्रदेश स्तर पर उत्कृष्ट विद्यालयों की स्थापना की गई थी। एक्सीलेंस स्कूलों में 9 वीं में विद्यार्थियों के प्रवेश के लिए ओपन बोर्ड से एंट्रेंस एग्जाम का प्रावधान किया गया और 11 वीं कक्षा में प्रवेश के लिए 10 वीं के बोर्ड एग्जाम की मेरिट को आधार बनाया गया ताकि मेधावी बच्चों के लिए एक्सीलेंस स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जा सके।

इसी प्रकार शुरू में शिक्षकों का चयन स्कूल के चेयरमैन (पदेन कलेक्टर) की समिति साक्षात्कार के माध्यम से करती थी। किंतु वर्ष 2017 में लोक शिक्षण संचालनालय ने शिक्षकों के लिए भी विभागीय परीक्षा अनिवार्य कर दी।

शिक्षाविदों के मुताबिक ऐसा शैक्षणिक गुणवत्ता में एकरूपता लाने के लिए किया गया। असल में प्रश्न यह था कि जब विद्यार्थियों का चयन प्रवेश परीक्षा के आधार पर किया जा रहा है तब उन्हें पढ़ाने वाले शिक्षकों की दक्षता का परीक्षण भी विभागीय परीक्षा के आधार पर ही होना चाहिए ।

वर्ष 2013 में लोक शिक्षण संचालनालय ने एक आदेश के तहत यह भी स्पष्ट किया था कि हाईस्कूल एवं हायर सेकंडरी में सिर्फ वरिष्ठ अध्यापक (उच्च माध्यमिक शिक्षक) ही अध्यापन कार्य करेंगे। किंतु जुलाई 2017 में संचालनालय ने विज्ञापित किया कि विशिष्ट स्कूलों का दर्जा प्राप्त एक्सीलेंस स्कूलों में वरिष्ठ अध्यापकों (उच्च माध्यमिक शिक्षकों) के साथ- साथ पीजी पात्रता प्राप्त अध्यापक भी आवेदन कर सकेंगे।

अमरपाटन से जालसाजी के आरोपी को पकड़ ले गई दिल्ली पुलिस

सतना। जालसाजी के एक प्रकरण की जांच के लिए दिल्ली से अमरपाटन पहुंची पुलिस की टीम एक आरोपी को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई है। टीआई केपी त्रिपाठी ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के करोल बाग थाने में दर्ज अपराध क्रमांक 481/2024 की धारा 420, 467 और 471 की जांच के दौरान अमरपाटन क्षेत्र के युवक की संलिप्तता सामने आई थी।

लिहाजा वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर साइबर सेल के माध्यम से जानकारी जुटाते हुए सब इंस्पेक्टर योगेश अपने सहयोगी आरक्षक कुशल और अजीत के साथ बुधवार सुबह यहां पहुंच गए। थाने में आमद दर्ज कराते हुए मदद मांगी, तो कुछ पुलिसकर्मियों को उनके साथ भेजा गया।

कई घंटों की खोजबीन के बाद वांछित युवक पकड़ में आ गया। तब दिल्ली पुलिस की टीम ने आवश्यक कार्रवाई कर थाने में पुन: सूचना दर्ज कराई और आरोपी को लेकर लौट गई।

ग्राम पंचायत सथनिया मे व्यापक फर्जीवाड़ा

वर्षो से नही हुई ग्राम सभाये, बिना निर्माण कार्य के निकाली गई राशि

पन्ना

गुनौर जनपद पंचायत अन्तर्गत ग्राम पंचायत सथनिया में लगातार भ्रष्टाचार किया जा रहा है तथा सरपंच, सचिप, उपयंत्री द्वारा मनमाने ढंग से कार्य किये जा रहें है। स्थानीय लोगो ने प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम भेजे ज्ञापन के माध्यम से बताया कि ग्राम पंचायत में विगत दो वर्ष से ग्राम सभा नही हुई। मुख्यालय मे सचिव नही रहते है। उन्होने यह भी बताया कि सरपंच जो ग्राम डडवरिया के निवासी है वह छह छह माह तक ग्राम पंचायत सथनिया नही आती है तथा सचिव अजीत कुमार मिश्रा, देवेन्द्र नगर मे निवास करते है। पंचायत के ज्यादा तर कार्य मशीनो से कराये जाते है तथा फर्जी बिल बाउचर लगाकर राशि आहरित कर ली जाती है। उन्होने यह भी बताया कि तत्कालीन विधायक शिवदयाल बागरी द्वारा ग्राम पंचायत के लिए पांच लाख की राशि से स्वागत द्वार स्वीकृत किया गया था। लेकिन उक्त स्वागत द्वारा आज तक नही बनाया गया है तथा राशि का अता पता नही है। इसी प्रकार और भी अन्य कार्यो की स्थिती है। स्थानीय लोगो ने ग्राम पंचायत के निर्माण कार्यो की जांच कराने तथा कार्यवाही करने की मांग की है।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर

सीधी, रविवार 23 जून 2024

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की बेंच 25 जून को सिरमौर में बच्चों के अधिकारों से जुड़े प्रकरणों की सुनवाई करेगी। शिविर में चिन्हित बच्चों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग शिविर का आयोजन 25 जून को

जनपद पंचायत सिरमौर कार्यालय के पास सामुदायिक भवन में आयोजित होगा शिविर

रीवा। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की बेंच 25 जून को सिरमौर में बच्चों के अधिकारों से जुड़े प्रकरणों की सुनवाई करेगी। शिविर में चिन्हित बच्चों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। इस संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती प्रतिभा पाण्डेय ने बताया कि शिविर में मुख्य रूप से सिरमौर तथा जवा विकासखण्डों के बच्चे शामिल होंगे। इनका पंजीयन सुबह 9 बजे से सामुदायिक भवन में शुरू हो जाएगा। शिविर की कार्यवाही सुबह 10 बजे से आरंभ होगी। शिविर में बच्चों के आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड बनाने तथा अन्य योजनाओं से लाभान्वित करने की व्यवस्था की गई है। शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेडिकल बोर्ड की टीम के माध्यम से बच्चों के स्वास्थ्य की जाँच की जाएगी तथा दिव्यांगता प्रमाणपत्र जारी किए जाएंगे। छात्रवृत्ति वितरण, खाद्यान्न वितरण, शिक्षा का अधिकार अधिनियम तथा यौन दुर्व्यवहार के प्रकरणों की सुनवाई भी की जाएगी। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग भारत सरकार द्वारा सीपीसीआर अधिनियम 2007 के तहत गठित संवैधानिक निकाय है। आयोग का मुख्य उद्देश्य बच्चों को संविधान के विभिन्न प्रावधानों के तहत दिए गए अधिकारों का लाभ देने के लिए प्रत्येक बच्चे को सक्षम बनाना है। आयोग की बेंच सुनवाई के दौरान बच्चे, उसके माता-पिता, संरक्षक अथवा बच्चे की देखभाल करने वाले द्वारा प्रस्तुत शिकायतों की सुनवाई करेगी। शिविर में बालश्रम से मुक्त कराए गए बच्चों के पुनर्वास, एसिड हमले के पीड़ितों, निराश्रित बच्चों, शारीरिक दुर्व्यवहार और शोषण से पीड़ित बच्चों तथा घरेलू हिंसा के शिकार बच्चों के प्रकरणों की सुनवाई करेगी। शिविर में पुलिस द्वारा बच्चों के दुर्व्यवहार, अवैध दत्तक ग्रहण, बच्चों के खिलाफ हिंसा, बच्चे की तस्करी, सड़कों पर बेसहारा तथा भिक्षावृत्ति करने वाले बच्चों, दिव्यांगता से पीड़ित बच्चों की शिकायतों पर भी सुनवाई की जाएगी। बच्चों के कल्याण से जुड़ी योजनाएं तथा कार्यक्रम संचालित करने वाले सभी विभाग शिविर में उपस्थित रहेंगे। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग भारत सरकार का वैधानिक निकाय है जिसे सीपीसीआर अधिनियम 2007 के तहत गठित किया गया है। आयोग का मुख्य उद्देश्य देश के समस्त बालकों को उनके अधिकारों को सुरक्षित करने में सक्षम बनाना है। आयोग की टीम बच्चों के अधिकारों के उल्लंघन और वंचन से संबंधित मामलों के विरूद्ध जनमानस से शिकायतें लेगी। बालक, माता-पिता, अभिभावक, देखभाल करने वाले या बाल अधिकारों के लिये काम करने वालों के लिये किसी भी अन्य व्यक्ति सहित कोई भी व्यक्ति एनसीपीसीआर की बेंच/कैम्प के समक्ष अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है। स्ट्रीट चिल्ड्रन, स्कूल, चाईल्ड केयर संस्था, चिल्ड्रन होम, हॉस्टल या कोई अन्य स्थान जहां बच्चें शिक्षा/प्रशिक्षण लेते हैं या निवास करते हैं आदि सहित सभी वर्गों के बच्चे बेंच के समक्ष अपनी शिकायत/अभ्यावेदन कर सकते हैं। शिविर आयोजन के संबंध में ग्राम स्तरीय समिति द्वारा सरपंच, सचिव, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है साथ ही ग्राम के कमजोर परिवार के बच्चों एवं बच्चों की शिकायतों का चिन्हांकन भी किया जा रहा है।

पल्स पोलियो अभियान का प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम आज रीवा में

रीवा। जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 23 जून से 25 जून तक पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान पांच साल तक के 390140 बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य तय किया गया है। अभियान का प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम रीवा में आयोजित किया गया है। यह कार्यक्रम प्रातः 11 बजे से मेडिकल कालेज आडिटोरियम में प्रारंभ होगा।

हमारे जिले और देश से पोलियो का उन्मूलन हो चुका है, लेकिन देश के दो पड़ोसी देशों पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान में पिछले साल तक पोलियो के केस मिले हैं। इससे हमारे देश के बच्चों को भी पोलियो का खतरा बना हुआ है। बच्चों की सुरक्षा के लिए 23 जून को पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा। इसमें पांच साल तक के सभी बच्चों को पोलियो की दवा दी जाएगी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा

पल्स पोलियो अभियान में पाँच साल तक के हर बच्चे को पोलियो की दवा पिलायी जायेगी

जिले में पल्स पोलियो अभियान में 390140 बच्चों को पिलाई जाएगी दवा

रहे इस महाअभियान में महिला एवं बाल विकास विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, शिक्षा विभाग, विद्युत मण्डल तथा अन्य विभागों को जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं।

प्रथम दिवस पोलियो बूथ में अधिकतम बच्चों को पोलियो की दवा पिलायी जायेगी। किसी कारणवश बूथ न पहुंचने वाले बच्चों को घर-घर जाकर 24 तथा 25 जून को पोलियो की दवा पिलायी जायेगी। पोलियो की दवा पिलाने के दूसरे दिन यदि बच्चा अनुपस्थित मिलता है तो उसकी सूची तैयार कर एक सप्ताह के अंदर उसे दवा पिलाकर ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज किया जायेगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव शुक्ला ने बताया कि अभियान के दौरान 390140 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। पोलियो की दवा पिलाने के लिए जिले भर में 2490 पोलियो बूथ बनाए गए हैं। इनमें दवा पिलाने के लिए प्रशिक्षित कर्मचारी तैनात रहेंगे। पोलियो बूथ आंगनवाड़ी केन्द्र, पंचायत भवन तथा स्कूलों में बनाए गए हैं। पोलियो की दवा पिलाने के लिए 48 ट्रांजिट टीमें तथा 23 मोबाइल दल भी तैनात किए गए हैं। रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड, बड़े हॉट बाजारों, बड़े निर्माण स्थलों पर भी पोलियो की दवा पिलाने की व्यवस्था की गई है।

पत्थर खदान के लिए जन सुनवाई आज

रीवा। मऊगंज जिले के हनुमना तहसील के ग्राम बीरादेई में 1.091 हेक्टेयर जमीन में पत्थर उत्खनन के लिए आवेदन दिया गया है। इसमें कुल 12 खसरा नम्बर शामिल हैं। खदान की मंजूरी के पूर्व इसकी पर्यावरणीय जन सनुवाई के लिए 23 जुलाई 2024 की तिथि निर्धारित की गई है। कलेक्टर मऊगंज के प्रतिनिधि के रूप में अपर कलेक्टर अशोक ओहरी ग्राम पंचायत भवन परिसर बीरादेई में 23 जुलाई को सुबह 10.30 बजे से सुनवाई करेंगे। सुनवाई में क्षेत्रीय अधिकारी मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड रीवा तथा खदान के लिए आवेदन करने वाली मेसर्स शिवकृपा एसोसिएट के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

मऊगंज जिले में एक केन्द्र में होगी आज लोक सेवा आयोग की परीक्षा

रीवा। मऊगंज जिले में एक परीक्षा केन्द्र में 23 जून को मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा आयोजित की गयी है। जिले के शहीद केदारनाथ महाविद्यालय में परीक्षा दो पालियों में सुबह 10 बजे से 12 बजे तक तथा दोपहर 2.15 बजे से शाम 4.15 बजे तक होगी। परीक्षार्थी परीक्षा कक्ष में चेहरा ढककर तथा मोजे-जूते पहनकर प्रवेश नहीं कर सकेंगे। परीक्षार्थी अपने साथ पेंसिल, रबर, व्हाइटनर, घड़ी, हाथ में पहनने वाले बैंड, बेल्ट, धूप में पहनने वाले चश्मा तथा बालों को बांधने वाले क्लचर का भी उपयोग नहीं कर सकेंगे। लोक सेवा आयोग द्वारा प्रवेश पत्र में दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हों। परीक्षा केन्द्र में मोबाइल, फोन, पेजर, डिजिटल डायरी, कैलकुलेटर, घड़ी, कम्पास, ग्राफ पेपर, स्केल तथा किसी भी प्रकार का पेपर नहीं ले जा सकेंगे। परीक्षा केन्द्र के बाहर मोबाइल फोन जमा करने की व्यवस्था की गई है।

वेतन 27 जून तक करें जनरेट

रीवा। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी आरडी चौधरी ने जिले के सभी आहरण संवितरण अधिकारियों से 27 जून तक वेतन देयक जनरेट करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा है कि सभी अधिकारी उक्त तिथि तक अनिवार्यतः वेतन देयक जनरेट कर दें जिससे एक जुलाई को शत-प्रतिशत अधिकारियों-कर्मचारियों को वेतन का भुगतान किया जा सके। समय पर वेतन जनरेट न करने पर माह की प्रथम तारीख को वेतन दिया जाना संभव नहीं होगा। जिन अधिकारियों, कर्मचारियों का वेतन किसी कारणवश रोक गया है, उन्हें छोड़कर शेष सभी के वेतन देयक जनरेट कर दें।

लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा आज, परीक्षा के लिए बनाये गये 12 केन्द्र

संभागीय प्रेक्षक ने परीक्षा केन्द्रों का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं के संबंध में ली बैठक

रीवा। रीवा जिले में लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा के लिए 12 केन्द्र बनाये गये हैं। यह परीक्षा आज 23 जून को आयोजित की जायेगी। प्रारंभिक परीक्षा के लिए नियुक्त संभागीय प्रेक्षक सेवानिवृत्त आईएस अधिकारी केएस गौतम ने रीवा जिले के 12 परीक्षा केन्द्रों तथा मऊगंज जिले के एक परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने केन्द्राध्यक्षों की बैठक लेकर परीक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की तथा प्रारंभिक परीक्षा के संबंध में लोक सेवा आयोग द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये।

उल्लेखनीय है कि परीक्षा दो पालियों में सुबह 10 बजे से 12 बजे तक तथा दोपहर 2.15 बजे से शाम 4.15 बजे तक होगी। परीक्षार्थी परीक्षा कक्ष में चेहरा ढककर तथा मोजे-जूते पहनकर प्रवेश नहीं कर सकेंगे। परीक्षार्थी अपने साथ पेंसिल, रबर, व्हाइटनर, घड़ी, हाथ में पहनने वाले बैंड, बेल्ट, धूप में पहनने वाले चश्मा तथा बालों को बांधने वाले क्लचर का भी उपयोग नहीं कर सकेंगे। लोक सेवा आयोग द्वारा प्रवेश पत्र में दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हों। परीक्षा केन्द्र में मोबाइल, फोन, पेजर, डिजिटल डायरी, कैलकुलेटर, घड़ी, कम्पास, ग्राफ पेपर, स्केल तथा किसी भी प्रकार का पेपर नहीं ले जा सकेंगे। परीक्षा केन्द्र के बाहर मोबाइल फोन जमा करने की व्यवस्था की गई है।

रीवा आरटीओ ने किया 15 स्कूल बस जप्त, उनके संचालन पर लगी रोक

रीवा। विद्यालय का नवीन शैक्षणिक सत्र प्रारंभ हो चुका है सभी स्कूल खुल चुके हैं ऐसे में छात्रों के सुरक्षित आवागमन को लेकर परिवहन विभाग ने लगातार स्कूल बस की चेकिंग जारी रखी है। विद्यालय जाकर आरटीओ विभाग के कर्मचारी स्कूल बस को चेक कर रहे हैं । 112 स्कूल बस चेक की गई । स्कूल बस के अंदर कैमरा ,जीपीएस ,अग्निशमन यंत्र, वैध फिटनेस एवं वैध परमिट की चेकिंग की गई । ऐसी बस जो नियम विरुद्ध पाई गई उन पर कार्रवाई की गई है। नियम विरुद्ध पाई गई 15 बसों को जप्त कर उनके संचालन पर रोक लगाई गई है। स्कूल बस पर कमियां पाए जाने पर 12 स्कूल बस पर चालानी कार्रवाई करते हुए समन शुल्क अधिरोपित किया गया।

परिवहन विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि स्कूल बसों की यह चेकिंग सघन रूप से निरंतर जारी रहेगी तथा नियम विरुद्ध पाए जाने वाले स्कूल बस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।सभी स्कूल संचालक स्कूल परिषर के अंदर बिना दस्तावेजो की खड़ी बसों के दस्तावेज भी अनिवार्य रूप से बनवाये इसके बाद ही बसों का परिवहन करे।मोटरयान अधिनियम के अनुसार स्कूल बसों को बिना परमिट फिटनेस के स्कूल परिषद में रखना अवैध परिवहन की श्रेणी में आता है और ऐसी बसों पर साधारण यात्री बसों के अनुसार 200/- रुपये पर सीट का टैक्स अवधारण कर चार गुना शास्ति अधिरोपित की जायेगी।

प्रधान डाकघर में योग दिवस मनाया गया, 21 जून को 21 पौधे भी रोपित किये गये

रीवा

तन मन जीवन चलो सवारे, योग मार्ग अपनाएं, बैर भाव को त्याग सभी हम गीत मिलन के गाएं श्री एस.के. राठौर, अधीक्षक डाकघर, रीवा संभाग ने बताया कि, हर वर्ष की भाँति, इस वर्ष भी रीवा प्रधान डाकघर में योगाभ्यास आयोजित किया गया जिसमें डाक कर्मियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर डाक अधीक्षक श्री राठौर ने कहा कि यदि शरीर व मन स्वस्थ नही तो जीवन भार बन जाता है।

जिनके शरीर व मन स्वस्थ्य नहीं होते उनके मस्तिष्क में चेतना व देह में स्फूर्ति नहीं होती। योग करने से शरीर और मन अच्छे होते है। डाक अधीक्षक ने कहा कि आम जीवन में योग करना अत्यन्त जरूरी है, इससे इम्युनिटी भी बढ़ती है। उन्होंने कहा कि योग, धैर्य नहीं खोने देता है।

श्री एस.के. राठौर, अधीक्षक डाकघर रीवा संभाग के नेतृत्व में 21 जून 2024, को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भारतीय डाक विभाग, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को दर्शाते हुए विशेष अभियान के तहत, रीवा प्रधान डाकघर प्रांगण में 21 पौधे भी रोपित किये गये।

यूपी सीएम से मिले डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला

कहा- नशीली दवा की खेप रुकवाएं, रीवा-सतना-सीधी एवं सिंगरौली के युवक नशे के गिरफ्त में जा रहे

रीवा। जिले में नशीली दवाओं की खेप को रोकने के लिए इंतजाम को लेकर प्रदेश उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल गुरुवार को यूपी के मुख्यमंत्री योगी से मिले। उन्होंने योगी से कहा कि उत्तर प्रदेश में एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही न होने के कारण वहाँ से मध्यप्रदेश के सीमावर्ती जिलों में उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिलों से कोडिन फास्फेट युक्त मादक पदार्थ इन जिलों में लाकर बेचते हैं।

इस नशीली खांसी की दवा कोरेक्स रेफरेक्स में कोडिन फास्फेट की अधिक मात्रा होने के कारण बच्चे नशे के रूप में बृहद स्तर पर करते हैं और इस प्रकार के नशे का प्रचलन रीवा, सतना, सीधी एवं सिंगरौली आदि जिलों में सर्वाधिक पाया गया है, जो अत्यधिक चिन्तनीय विषय है। जहाँ एक ओर नौनिहाल एवं युवा वर्ग नशे का आदी है वहीं उनका परिवार नशे के कारण प्रभावित हो रहा है। इस नशे के कारोबार से उत्तर प्रदेश के जिलों में भी संभवत: इस प्रकार के युवा नशे के गिरफ्त में होगें, ऐसी संभावना है।

बताया कि इस संबंध में उच्चतम न्यायालय द्वारा 2015 में निर्देश भी जारी किए जा चुके हैं। मध्यपदेश में इसका पालन हो रहा है और यदि उक्त आदेश के आलोक में आपके राज्य उत्तरप्रदेश में यदि लेने के सतत कार्रवाई हो रही है। योगी से कहा कि यद् किसी प्रकार के निर्देश जारी होते हैं तो नशे के इस कारोबार पर लेकिन कार्यवाही और अच्छे तरीके से हो सकेगी एवं युवाओं को नशे के गिरफ्त में जाने से बचाया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि श्री शुक्ल त्योंथर में कार्यक्रम के बाद प्रयागराज से प्लेन से लखनऊ गए और योगी से मिलने के बाद वापस भी लौट आए।

पुलिस और एनएसयूआई के बीच धक्का मुक्की, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

रीवा। डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल के आवास का घेराव करने जा रहे एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का मुक्की हो गई। जिसके बाद पुलिस ने लाठी चार्ज कर दी।जैसे ही वे विवेकानंद पार्क से चलकर मानस भवन के पास पहुंचे। पुलिस ने उन्हें बैरिकेट लगाकर रोक दिया। पुलिस छात्रों को रोकना चाहती थी। पर छात्र डिप्टी सीएम के आवास का घेराव करने की मांग पर अड़े हुए थे।

पूरे मामले में सीएसपी रितु उपाध्याय बताया कि एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। साथ ही हमारे दो जवानों को घायल कर दिया। जिसके बाद उन पर हल्का बल प्रयोग किया है। फिलहाल उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। आगे वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पूरे मामले में एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं का कहना है कि हम परीक्षाओं में हुए घोटाले के मुद्दे को लेकर युवाओं और छात्रों की मांग रखने डिप्टी सीएम के आवास जा रहे थे। पर पुलिस ने हम पर पानी की बौछारें छोड़ी फिर हमें लाठियों से मारा। आज हमारी आवाज को कुचलने का काम किया गया है।

प्रदर्शन करने आई छात्रा गरिमा पांडेय ने बताया कि हमने पीएनएसटी की परीक्षा दी थी। जिसका रिजल्ट एक साल से रुका हुआ है। हमारे नर्सिंग कॉलेज की मान्यता रद कर दी गई है। हम चाहते हैं कि हमारा रिजल्ट जारी कर दिया जाए। ताकि हम अपनी आगे की पढ़ाई के बारे में सोच सके।

नर्सिंग घोटाला अलग चीज है लेकिन हमारे रिजल्ट में कोई घोटाला नहीं है। हम केवल अपने रिजल्ट की मांग को लेकर एनएसयूआई के बैनर तले गए थे। जहां लाठी चार्ज कर दी गई। साल भर से [illegible] की परीक्षा देने वाली 66 हजार छात्राओं का रिजल्ट रुका हुआ है। हम सभी दफ्तरों के चक्कर लगा चुके हैं। अगर ऐसा नहीं होता है तो हम डिप्टी सीएम के आवास के बाहर जाकर सुसाइड कर लेंगे।

छात्र अमन तिवारी के मुताबिक अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में हर बार छात्रों को फेल कर दिया जाता है। छात्र साल भर पढाई करते हैं फिर भी रिजल्ट में लापरवाही बरती जाती है। हमने पहले से घेराव की सूचना दी थी। फिर भी हमारे साथियों को बुरी तरह मारा गया।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी , आर.एन.आई नं. 47589/88 , डाक पंजीयन : **MP/SDL/DN/-30/2015-17,** दूरभाष : 09424315633,7389444833